page 1 and 8 Feb 6_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/6/2026 1:49 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शोपियां में ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया

5 आईसीसी टी 20 ईशान ने लगाई 32 पायदान की छलांग

8 अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान

मौसम जम्मू — न्यूनतम 10 — अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-33 | जम्मू तवी, शुक्रवार 06 फरवरी, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

शाह दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे, सुरक्षा स्थिति की करेंगे समीक्षा

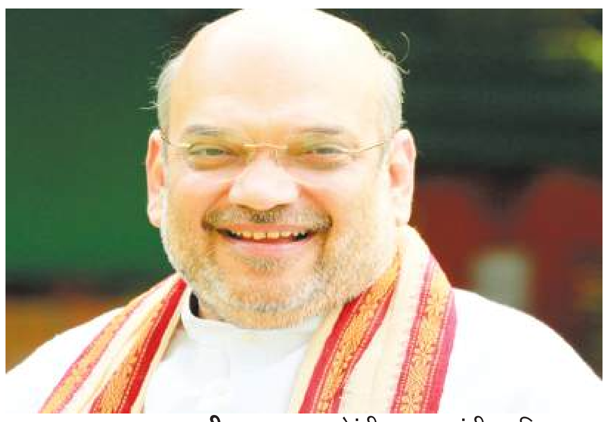

जम्मू, 05 फ़रवरी । जम्मू–केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार रात जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे। इस दौरान वह सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे और क्षेत्र में विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, अधिकारियों ने बताया।

उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू हवाई अड्डे पर गृह मंत्री का स्वागत किया आज जम्मू हवाई अड्डे पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के आगमन पर उनका स्वागत किया, उप राज्यपाल ने एक्स (X) पर एक पोस्ट में कहा।

अधिकारियों के अनुसार, अमित शाह शुक्रवार को कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के साथ स्थित सीमा चौकियों का दौरा करेंगे। इस दौरान वह सीमा सुरक्षा कर्मियों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे।

सीमा दौरे से लौटने के बाद शाह जम्मू स्थित लोक भवन में एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसके बाद वह आतंकवाद पीड़ितों के परिजनों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र भी वितरित करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को गृह मंत्री सीमा चौकी गुरनाम के क्षेत्रीय दायित्व क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे और कठुआ जिले के हीरानगर क्षेत्र में स्थित सीमा चौकी बोबिया का भी दौरा करेंगे। उन्होंने कहा कि शाह सीमा सुरक्षा कर्मियों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का ई-उद्घाटन और ई-शिलान्यास भी करेंगे। शनिवार को गृह मंत्री लोक भवन, जम्मू में जम्मू-कश्मीर के विकास पर एक बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसके बाद वह दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

सरकार जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध :मुख्यमंत्री

जम्मू, 05 फ़रवरी । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को विधानसभा के बजट सत्र में दोहराया कि उनकी सरकार जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण प्रस्ताव पर चर्चा समाप्त करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 का उल्लेख अभिभाषण में विशेष रूप से नहीं किया गया क्योंकि संविधान में यह प्रावधान अभी भी मौजूद है, भले ही इसे खोखला कर दिया गया हो। उन्होंने कहा, मैं दोहराना चाहता हूं कि जम्मू और कश्मीर राष्ट्रीय सम्मेलन और यह सरकार चुनाव के दौरान किए गए वादों, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर के विशेष दर्जे को बहाल करने के वादे के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें अनुच्छेद 370 का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना आवश्यक नहीं लगता क्योंकि इसे संविधान से हटाया नहीं गया है। यदि इसे हटाया गया होता तो मैं इसे पुनः शामिल करने की बात कहता। यह अभी भी मौजूद है। आपने इसे खोखला कर दिया और हमारा संवैधानिक दर्जा छीन लिया। कुछ विपक्षी सदस्यों ने अभिभाषण में अनुच्छेद 370 का स्पष्ट रूप से उल्लेख न किए जाने की आलोचना की। विधानसभा में पहले पारित एक प्रस्ताव का हवाला देते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 अभी भी कानून की किताबों में मौजूद है और सदन पहले ही यह राय व्यक्त कर चुका है कि इसे बहाल किया जाना चाहिए।

उपराज्यपाल ने आरक्षण का प्रस्ताव गृह मंत्रालय को भेजा: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

जम्मू, 05 फ़रवरी । मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि आरक्षण का प्रस्ताव उपराज्यपाल ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है। विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है। उन्होंने कहा कि जो लोग मेरे घर के बाहर विरोध प्रदर्शन करने में गर्व महसूस करते हैं वे गृह मंत्री के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन करें।

मेहराज़ मलिक के पीएसए मामले में उच्च न्यायालय अगले सप्ताह दलीलें सुनेगा

जम्मू, 05 फ़रवरी जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय 12 फरवरी को आम आदमी पार्टी (आप) विधायक मेहराज़ मलिक की सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत के समर्थन में जम्मू-कश्मीर प्रशासन की दलीलें सुनेगा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रवक्ता मुदासिर हसन ने बताया कि न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ ने गुरुवार को केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की दलीलों का कुछ हिस्सा सुना और मामले की अगली सुनवाई 12 फरवरी को तय की। डोडा से विधायक मलिक को पिछले साल सितंबर में पीएसए के तहत गिरफ्तार किया गया था। आप ने इस हिरासत को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी

जम्मू-कश्मीर में 58 लाख से अधिक युवा खेल गतिविधियों से जुड़े

जम्मू,, 05 फ़रवरी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में बीते कुछ वर्षों के दौरान खेल गतिविधियों और प्रदर्शन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 से अब तक प्रदेश के 58 लाख से अधिक युवा विभिन्न खेल गतिविधियों से जुड़े हैं, जबकि खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर 2,556 पदक हासिल किए हैं। इन पदकों में 843 स्वर्ण, 737 रजत और 976 कांस्य शामिल हैं, वहीं 84 अंतरराष्ट्रीय पदक भी जीते गए हैं। शहरी, ग्रामीण, जनजातीय और सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं ने माय यूथ माय प्राइड, हर दिन खेल और नशा मुक्त भारत अभियान जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की।

सरकार वर्तमान विधानसभा सत्र में नशीली दवाओं के दुरुपयोग विधेयक को पेश करेगी : मंत्री सकीना इटू

जम्मू, 5 फरवरी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को घोषणा की कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के उद्देश्य से एक व्यापक विधेयक विधानसभा के चालू सत्र के दौरान पेश किया जाएगा। सदन के पटल पर बोलते हुए स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने कहा कि मसौदा कानून तैयार है और वर्तमान सत्र में विधानसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। मंत्री का बयान नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक के जवाब में आया जिन्होंने याद किया कि उन्होंने पहले स्कूल पाठ्यक्रम में नशीली दवाओं की लत के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता को अनिवार्य रूप से शामिल करने के लिए एक निजी विधेयक लाया था, जिसे बाद में उन्होंने सरकार के आश्वासन के बाद वापस ले लिया था।उठाई गई चिंताओं का जवाब देते हुए सकीना इटू ने सदन को सूचित किया कि सरकार ने नशा मुक्ति नियमों को भी अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने कहा कि नियम तैयार कर जांच और आवश्यक जांच के लिए कानून विभाग को भेज दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के बढ़ते खतरे को रोकने के लिए निवारक और पुनर्वास उपायों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपराज्यपाल ने हरिद्वार में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की मूर्ति स्थापना समारोह में हिस्सा लिया

हरिद्वार, 05 फ़रवरी । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार में स्वामी सत्यमित्रानंद गिरि जी महाराज की मूर्ति स्थापना समारोह में हिस्सा लिया। यह आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सद्गुरु स्मृति समारोह जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। अपने संबोधन में, उपराज्यपाल ने देश में गहरे आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण पर बात की, जो समाज में एक जीवंत नई चेतना जगा रहा है। उपराज्यपाल ने कहा, 卐पूज्य संतों के आशीर्वाद से, लोग एक आधुनिक, बदले हुए भारत के निर्माण की सोच की ओर तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।卐 उपराज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि हमारे पूर्वजों द्वारा हजारों साल पहले सोचे गए मूल्यों को अब दुनिया भर में अपनाया जा रहा है, जिसमें देश वसुधैव कुटुंबकम – पूरी दुनिया एक परिवार है – के दर्शन को शांति और सद्भाव के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में अपना रहे हैं। अनादि काल से, हमारी परंपरा ने पूरी मानवता के कल्याण का समर्थन किया है। इसने हमें दुनिया को एक परिवार के रूप में देखने का व्यापक दृष्टिकोण दिया है।

राजौरी में आईईडी बरामद, इलाका घेराबंदी में

राजौरी, 05 फ़रवरी । जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के खाबलान इलाके में गुरुवार को एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद की गई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि संदिग्ध वस्तु की सूचना मिलते ही सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और उसकी पहचान आईईडी के रूप में की। इसके बाद बम निरोधक दस्ते (बीडीएस) को विस्फोटक उपकरण को निष्क्रिय करने के लिए बुलाया गया। एहतियात के तौर पर इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और आगे की जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में 2025-26 में 5.82 फीसदी की वृद्धि : आर्थिक सर्वेक्षण

जम्मू, 05 फ़रवरी । गुरुवार को विधानसभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था में 2025-26 में वास्तविक रूप से 5.82 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान है, जो महामारी के बाद स्थिर आर्थिक सुधार और बेहतर राजकोषीय प्रबंधन को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार केंद्र शासित प्रदेश के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 2025-26 के दौरान 5.82 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नाममात्र जीएसडीपी में 8.89 फीसदी की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे अर्थव्यवस्था का कुल आकार लगभग 2.86 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। 2019-20 और 2024-25 के बीच जम्मू और कश्मीर ने वास्तविक रूप में 4.47 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) दर्ज की जो महामारी के कारण आई मंदी के बाद निरंतर सुधार को रेखांकित करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रति व्यक्ति आय में भी लगातार सुधार हुआ है। 2025-26 में 1,68,243 रुपये अनुमानित यह आय पिछले पांच वर्षों से लगातार बढ़ रही है और कई उत्तरी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ी है। राज्य के सकल मूल्यवर्धन (जीएसवीए) में तृतीयक क्षेत्र का हिस्सा सबसे अधिक 61.02 प्रतिशत रहा, इसके बाद प्राथमिक क्षेत्र का 20.45 प्रतिशत और द्वितीयक क्षेत्र का 18.52 प्रतिशत रहा। सर्वेक्षण के अनुसार कृषि और संबद्ध गतिविधियां रोजगार और आजीविका का प्रमुख स्रोत बनी हुई हैं, वहीं उद्योग, अवसंरचना और सेवाओं में वृद्धि ने पिछले वर्षों की तुलना में आर्थिक विविधीकरण को बढ़ावा दिया है। राजकोषीय मोर्चे पर केंद्र शासित प्रदेश ने राजस्व जुटाने और व्यय प्रबंधन में सुधार दर्ज किया है।

जम्मू-कश्मीर में मजबूत खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के लिए मुख्य सचिव ने NITI आयोग से सलाह ली

जम्मू, 05 फ़रवरी । मुख्य सचिव, अटल डुल्लू ने नीति आयोग के सदस्य, डॉ. वी.के. पॉल के साथ, और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के वरिष्ठ विशेषज्ञों और सलाहकारों के साथ एक उच्च-स्तरीय परामर्श बैठक की, ताकि जम्मू-कश्मीर के सभी जिलों में खाद्य सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने और बढ़ाने के लिए एक व्यापक रणनीति पर विचार-विमर्श किया जा सके। चर्चा के दौरान, डॉ. वी.के. पॉल ने जम्मू और कश्मीर में बिना किसी समझौते के खाद्य सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भविष्य के लिए तैयार रोडमैप बनाने पर विशेषज्ञ राय साझा की। उन्होंने, स्नस्स्ह्व विशेषज्ञों के साथ मिलकर, खाद्य सुरक्षा व्यवस्था के तहत जागरूकता और प्रवर्तन तंत्र दोनों को मजबूत करने के लिए आने वाले महीनों में अपनाए जाने वाले छह-सूत्रीय रणनीतिक ढांचे की रूपरेखा तैयार की। रोडमैप में खाद्य सुरक्षा प्रथाओं, उपभोक्ता अधिकारों और खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत वैधानिक प्रावधानों के बारे में व्यापक जन जागरूकता पैदा करने के लिए एक जोरदार सूचना, शिक्षा और संचार अभियान शुरू करने पर जोर दिया गया।

शिक्षा और नवाचार लद्दाख के 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान को गति देंगे : उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता

लेह, 05 फ़रवरी। लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने आज तारू स्थित लद्दाख विश्वविद्यालय (यूओएल) परिसर का दौरा किया और लद्दाख के भविष्य को आकार देने तथा विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय दृष्टिकोण में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों से बातचीत करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि लद्दाख विश्वविद्यालय जैसे संस्थान भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से हुई तीव्र प्रगति की सराहना की और इसे लद्दाख की आकांक्षाओं, लचीलेपन और बौद्धिक शक्ति का प्रतीक बताया। विश्व स्तरीय शिक्षण और उन्नत प्रयोगशाला अवसंरचना की सराहना करते हुए उपराज्यपाल ने जीनोम अनुक्रमण, आईसीपी-एमएस, एक्सआरडी और केंद्रीकृत अंत:विषयक विज्ञान उपकरण केंद्र (सीआईएसआईसी) जैसी सुविधाओं के लिए विशेष प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उच्च ऊंचाई वाले क्षेत्र में ऐसी अत्याधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता उच्च शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में लद्दाख की उभरती पहचान को दर्शाती है। उपराज्यपाल ने उल्लेख किया कि विश्वविद्यालय जिसने कुछ ही पाठ्यक्रमों से शुरुआत की थी अब लगभग 72 शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान कर रहा है।

2024-25 में जम्मू-कश्मीर में 2 लाख से अधिक कुत्ते के काटने के मामले दर्ज किए गए

जम्मू, 5 फरवरी। जम्मू-कश्मीर सरकार ने गुरुवार को कहा कि 2024 और 2025 में पूरे केंद्र शासित प्रदेश में कुत्तों के काटने के दो लाख से अधिक मामले सामने आए, जिनमें सबसे अधिक 1.26 लाख से अधिक घटनाएं जम्मू जिले में दर्ज की गईं।यह खुलासा जम्मू-कश्मीर विधानसभा में स्वास्थ्य मंत्री सकीना इटू ने एनसी सदस्य मुबारक गुल के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में किया।जिलेवार आंकड़े साझा करते हुए मंत्री ने कहा कि दो साल की अवधि के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में कुत्ते के काटने के 2,06,460 मामले सामने आए, जिनमें 2024 में 93,765 मामले और 2025 में 1,12,695 मामले शामिल हैं। दारा ने खुलासा किया कि जम्मू संभाग में, 2024-25 में 1,26,844 मामले दर्ज किए गए, 2024 में 54,863 मामले और 2025 में 71,981 मामले दर्ज किए गए।अकेले जम्मू जिले में 76,824 मामले हैं इसके बाद कठुआ में 17,129 मामले और उधमपुर में 8,179 मामले हैं। उन्होंने बताया कि संभाग के अन्य जिलों राजौरी में 7,140, सांबा में 5,332, डोडा में 4,111, रियासी में 2,752, पुंछ में 2,023, रामबन में 1,772 और किश्तवाड़ में 1,582 मामले दर्ज किए गए। इसी अवधि के दौरान कश्मीर संभाग में 79,616 मामले दर्ज किए गए जिनमें 2024 में 38,902 मामले और 2025 में 40,714 मामले शामिल हैं। मंत्री ने कहा कि श्रीनगर में सबसे अधिक 35,174 मामले दर्ज किए गए इसके बाद बारामूला में 12,882 और अनंतनाग में 10,818 मामले दर्ज किए गए।

उन्होंने बताया कि बडगाम में 5,523 मामले कुलगाम में 3,925, कुपवाड़ा में 3,725, बांदीपोरा में 2,914, पुलवामा में 2,197, गांदरबल में 1,695 और शोपियां में 462 मामले सामने आए। मंत्री ने कहा कि आंकड़े स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस), सरकारी मेडिकल कॉलेजों और एसकेआईएमएस से प्राप्त आंकड़ों से संकलित किए गए थे उन्होंने कहा कि सरकार कुत्ते के काटने की घटनाओं की बढ़ती संख्या को संबोधित करने और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में निवारक और उपचार सुविधाओं को मजबूत करने के लिए उपाय कर रही है।मंत्री ने कहा कि जम्मू नगर निगम (जेएमसी) की सीमा के भीतर आवारा कुत्तों की आबादी में वृद्धि का संकेत देने वाली कोई रिपोर्ट नहीं है। हालांकि उन्होंने कहा कि श्रीनगर नगर निगम (एसएमसी) ने 2023 में एक वैज्ञानिक जनसंख्या सर्वेक्षण किया था, जिसमें अनुमान लगाया गया था कि उसके अधिकार क्षेत्र में लगभग 64,416 आवारा कुत्ते हैं ।

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?

मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्यद्ध शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

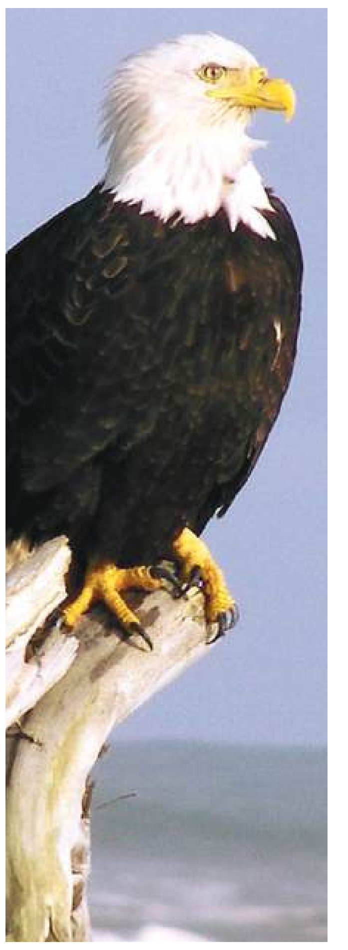

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है।इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे जाम नाला बना समस्या, सीटीएम प्रबंधन बना स्वच्छता की मिसाल

कठुआ, 05 फरवरी (हि.स.)। जम्मू और पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग हटली मोड़ से सटी औद्योगिक इकाइयों के साथ लगता खुला नाला इन दिनों जाम रहता है। इसका मुख्य कारण राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे स्थित दुकानदारों और ढाबा/होटल संचालकों द्वारा खुलेआम कचरा इस नाले में फेंकना बताया जा रहा नाले से क्षेत्र की कई औद्योगिक इकाइयों का पानी भी गुजरता है लेकिन इसके बावजूद न तो जिला प्रशासन न ही औद्योगिक विभाग या कोई अन्य संबंधित संस्था नियमित सफाई की ओर ध्यान देती नजर आती है। नालों को अक्सर राम भरोसे छोड़ दिया गया है जिससे स्वास्थ्य और स्वच्छता पर गंभीर खतरा बना हुआ है। ऐसे में जम्मू-कश्मीर की एकमात्र प्रमुख औद्योगिक इकाई सीटीएम ने स्वच्छता की दिशा में सराहनीय पहल की है। जबकि सीटीएम इकाई का अपना पानी इस नाले में नहीं बहता, फिर भी सीटीएम प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से नाले की सफाई करवाई जा रही है। इतना ही नहीं, औद्योगिक क्षेत्र और उसके आसपास के इलाकों में भी ब्ब्ड के सफाई कर्मचारी लगातार साफ-सफाई करते नजर आते हैं। रेलवे रोड पर लगाए गए डस्टबिन भी सीटीएम प्रबंधन की ओर से लगाए गए हैं, जिनकी नियमित सफाई भी उन्हीं के कर्मचारियों द्वारा की जाती है। यदि सीटीएम प्रबंधन रोजाना अपने आसपास के क्षेत्रों की सफाई न कराए, तो ये इलाके नर्क में तब्दील हो सकते हैं। सीटीएम प्रबंधन ने आम जनता और दुकानदारों से अपील की है कि राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे इस बड़े नाले में खुले में कचरा न फेंकें और कचरा केवल डस्टबिन में ही डालें, ताकि क्षेत्र को स्वच्छ और स्वस्थ रखा जा सके।

डीसी कठुआ ने शिक्षा क्षेत्र की प्रगति की समीक्षा, समयबद्ध कार्य और गुणवत्ता शिक्षा पर जोर

कठुआ, 05 फरवरी (हि.स.)। उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा ने शिक्षा क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने विभिन्न विद्यालयों में भवन निर्माण व अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ढांचे को मजबूत करना और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। डीसी ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ भूमि व अन्य लंबित मुद्दों का शीघ्र समाधान करने तथा स्कूलों के सुचारु शैक्षणिक संचालन पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा की गुणवत्ता और छात्र कल्याण से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में अर्थव्यवस्था और जम्मू-कश्मीर पर बजट प्रभाव पर विशेष व्याख्यान

जम्मू, 05 फरवरी (हि.स.)। केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू (सीयूजे) के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा केंद्रीय बजट 2026-27 को समझाना विषय पर एक विशेष व्याख्यान का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. संजीव जैन के नेतृत्व में आयोजित हुआ, जिसमें जम्मू चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष अरुण गुप्ता मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल ऑफ बिज़नेस स्टडीज़ की डीन प्रो. नीलिका अरोड़ा ने की। इस अवसर पर मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के डीन एवं अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अश्विनी कुमार नंदा, अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य, शोधार्थी और विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्रीय बजट के आर्थिक, औद्योगिक और दैनिक जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करना था। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्वेता कोहली द्वारा स्वागत भाषण और बजट की संक्षिप्त रूपरेखा से हुई। इसके बाद सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन किया गया। शोधार्थी भाव्या महाजन ने बजट के प्रमुख बिंदुओं पर संक्षिप्त प्रस्तुति दी। अपने मुख्य संबोधन में अरुण गुप्ता ने केंद्रीय बजट का क्षेत्रवार विश्लेषण करते हुए जम्मू-कश्मीर की आर्थिक संभावनाओं पर विशेष प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय भागीदारी की।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शोपियां में ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया

शोपियां, 05 फरवरी, हि.स.। समाज से नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत पुलिस स्टेशन इमामसाहिब ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और उसके पास से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया।वाचोहलन क्रॉसिंग पर नाका चेकिंग के दौरान पुलिस स्टेशन इमामसाहिब की एक टीम ने एक व्यक्ति को संदिग्ध परिस्थितियों में घूमते हुए देखा और उसे चतुराई से पकड़ लिया। तलाशी के दौरान, उसके पास से लगभग 450 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद हुआ। आरोपी की पहचान शाहबाज अहमद भट निवासी खालन लिटर पुलवामा के रूप में हुई है।

तदनुसार पुलिस स्टेशन इमामसाहिब में एनडीपीएस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 09/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आरोपी के संपर्क और व्यापार में शामिल व्यापक नेटवर्क का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस नशामुक्त समाज बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती है और आम जनता से इस नेक मिशन में सहयोग करने की अपील करती है।

श्रीनगर में एक ही परिवार के तीन सदस्य गिरफ्तार, हेरोइन बरामद

श्रीनगर, 05 फरवरी (हि.स.)। श्रीनगर पुलिस ने खानयार थाना क्षेत्र में एक ही परिवार के तीन कुख्यात नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान गुलजार अहमद मीर (अब्दुल रहमान मीर का पुत्र), मुस्कान गुलजार मीर गुलजार अहमद मीर की पुत्री और उबैद गुलजार गुलजार अहमद मीर का पुत्र के रूप में हुई है। सभी आरोपी खानयार के मिस्कीन बाग स्थित बागी रूप सिंह के निवासी हैं।

अधिकारी ने बताया कि एक विशिष्ट सूचना के आधार पर खानयार थाना की पुलिस टीम ने पंजीकरण संख्या जेके01एडब्ल्यू-8898 वाली स्कॉर्पियो गाड़ी को रोका। तलाशी के दौरान उनके पास से लाखों रुपये मूल्य की भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की गई। अधिकारी ने बताया कि अपराध में इस्तेमाल की गई गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी श्रीनगर में मादक पदार्थों की आपूर्ति में सक्रिय रूप से शामिल थे और उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी के माध्यम से काफी अवैध आय अर्जित की थी और जब्त किया गया वाहन कथित तौर पर इसी अवैध व्यापार से प्राप्त आय से खरीदा गया था। उन्होंने यह भी बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी श्रीनगर में मादक पदार्थों की आपूर्ति में सक्रिय रूप से शामिल थे और उन्होंने मादक पदार्थों की तस्करी से काफी अवैध आय अर्जित की थी। जब्त किया गया वाहन कथित तौर पर इसी अवैध व्यापार से प्राप्त धन से खरीदा गया था। पुलिस स्टेशन खानयार में एनडीपीएस नशीली दवाएं और मनोरोगी पदार्थ अधिनियम की धारा 8/21-29 के तहत एफआईआर संख्या 08/2026 दर्ज की गई है। मादक पदार्थों के नेटवर्क के आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इसके अलावा अपराध की अवैध आय से अर्जित संपत्तियों की पहचान करने और उन्हें जब्त करने के लिए एक व्यापक वित्तीय जांच चल रही है। श्रीनगर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता नीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और जनता से मादक पदार्थों से संबंधित जानकारी साझा करके सहयोग करने का आग्रह किया।

एचआरए कटरा ने रोपवे परियोजना पर उच्चस्तरीय समिति को ज्ञापन सौंपा

कटरा, 05 फरवरी (हि.स.)। कटरा ने आज रोपवे परियोजना के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा जिसमें एसएमवीडी श्राइन बोर्ड के सदस्य डॉ. अशोक भान और सेवानिवृत्त सुरेश कुमार शर्मा, संभागीय आयुक्त जम्मू रमेश कुमार, श्राइन बोर्ड के सीईओ सचिन कुमार वैश्य शामिल हैं। इस ज्ञापन में प्रमुख चिंताओं को उजागर किया गया है।

प्रस्तावित परियोजना और तीर्थयात्रियों की सुविधा में सुधार, समग्र यात्रा अनुभव को बढ़ाने और तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से किए गए संबंधित उपायों से जुड़ी प्रमुख चिंताओं और सुझावों को उजागर करते हुए ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। यह ज्ञापन एचआरए कटरा के अध्यक्ष राकेश वज़ीर, चेयरमैन श्याम लाल केसर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र केसर, कार्यकारी सदस्य साहिल हीरा और सोहन चंद द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने हितधारकों को अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के लिए माननीय समिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रोपवे परियोजना सभी हितधारकों के साथ गहन परामर्श के बाद ही शुरू की जानी चाहिए और यदि शुरू की जाती है तो इसका आरंभिक बिंदु ऐसे स्थान से होना चाहिए जहां से कटरा के बेस कैंप की उपेक्षा न हो और शहर और वैष्णोदेवी मंदिर की पवित्रता और आस्था बनी रहे।

कठुआ में अवैध खनन पर सख्त प्रहार-3 महीनों में 293 वाहन जब्त, 56.54 लाख से अधिक जुर्माना वसूला

कठुआ, 05 फरवरी (हि.स.)। जिला कठुआ में अवैध खनन और खनिजों के अवैध परिवहन के खिलाफ खनन विभाग ने बीते तीन महीनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 293 वाहनों को जब्त/दंडित किया है तथा 56.54 लाख से अधिक का जुर्माना वसूला है। यह कार्रवाई नवंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच की गई है।

जिला खनिज अधिकारी कठुआ विरेन्द्र सिंह के रूप में कार्यभार संभालने के बाद अवैध खनन के खिलाफ अभियान को और तेज किया गया है। यह कार्रवाई उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चैधरी, उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा एवं निदेशक भूविज्ञान एवं खनन विभाग एस पी रुकवाल के दिशा-निर्देशों के अनुरूप की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, जिले में लघु खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर रोक लगाने के लिए कड़े एवं प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। जिला खनिज अधिकारी विरेन्द्र सिंह की निगरानी में अवैध खनन से संबंधित शिकायतों पर 24मए कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। डीएमओ कठुआ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जैसे ही कोई शिकायत प्राप्त होती है, विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई की जाती है और दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कदम उठाए जाते हैं। खनन विभाग की इस सक्रियता के चलते जुर्माने की राशि में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक है। विभाग ने दोहराया कि अवैध खनन के खिलाफ यह अभियान बिना किसी रुकावट के आगे भी जारी रहेगा, ताकि जिले में प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डीएलटीसी कठुआ ने वित्त वर्ष 2026/27 के लिए 'स्केल ऑफ फाइनेंस' को दी मंजूरी

कठुआ, 05 फरवरी (हि.स.)। जिला स्तरीय तकनीकी समिति कठुआ की बैठक अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त सुरिंदर मोहन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में वित्त वर्ष 2026/27 के लिए कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के तहत प्रस्तावित स्केल ऑफ फाइनेंस पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक के दौरान विभिन्न फसलों और कृषि से जुड़े क्षेत्रों में लगने वाली इनपुट लागत, जिला-विशेष आवश्यकताओं और जमीनी हालात को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित स्केल ऑफ फाइनेंस पर मंथन किया गया। सभी पहलुओं पर विचार-विमर्श के बाद समिति ने वित्त वर्ष 2026/27 के लिए स्केल ऑफ फाइनेंस को मंजूरी दे दी। एडीसी सुरिंदर मोहन शर्मा ने कहा कि स्वीकृत स्केल ऑफ फाइनेंस किसानों को समय पर और व्यावहारिक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने में सहायक होगा, जिससे कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में मुख्य कृषि अधिकारी (सदस्य सचिव), जम्मू-कश्मीर बैंक/जेसीसी बैंक प्रतिनिधि, मुख्य बागवानी अधिकारी, मुख्य पशुपालन अधिकारी, जिला भेड़पालन अधिकारी, मत्स्य पालन, फ्लोरीकल्चर अधिकारी तथा लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आर.एस.पुरा पुलिस ने ड्रग तस्कर को किया गिरफ्तार

जम्मू, 05 फरवरी (हि.स.)। जम्मू के आर.एस.पुरा पुलिस स्टेशन ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया और 6.78 ग्राम हेरोइन (चीता) बरामद की।

नशीली दवाओं की तस्करी और दुरुपयोग के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए आर.एस.पुरा पुलिस ने एक और सफलता हासिल की है।

पुलिस स्टेशन आर.एस.पुरा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले चोहला के एक ड्रग तस्कर से 6.78 ग्राम हेरोइन (चीता) बरामद की गई है।

आर.एस.पुरा पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम जिसका नेतृत्व पीएसआई विशाल सिंह कर रहे थे ने एसएचओ इंस्पेक्टर रवि सिंह परिहार के मार्गदर्शन में पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में नियमित गश्त के दौरान चोहला में नाका लगाया और पंजीकरण संख्या जेके02सीएम -1980 वाली एक स्कूटी को जांच के लिए रोका।

जाँच के दौरान राइडर विशाल कुमार पुत्र तरसेम निवासी सिंधर, तहसील सुचेतगढ़, जिला जम्मू के कब्जे से 6.78 ग्राम हेरोइन जैसा पदार्थ बरामद किया गया है।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन आर.एस.पुरा में एफआईआर संख्या 28/2026 धारा 8/21/22/60 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, प्रतिबंधित पदार्थ और स्कूटी जब्त कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

जम्मू-कश्मीर बजट से पहले भाजपा ने जम्मू की चिंताओं को उठाया, न्याय और समावेशी विकास की मांग की

जम्मू, 05 फरवरी (हि.स.)। भाजपा जम्मू-कश्मीर के मुख्य प्रवक्ता सुनील सेठी ने पार्टी के प्रवक्ता रजनी सेठी, जोरावर सिंह और परिमोक्ष सेठी के साथ आज पार्टी कार्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कल विधानसभा में पेश होने वाले आगामी जम्मू-कश्मीर बजट से जनता की अपेक्षाओं पर प्रकाश डाला।

सुनील सेठी ने कहा कि यह बजट ऐसे महत्वपूर्ण समय में पेश किया जा रहा है जब कांग्रेस समर्थित नेशनल कॉन्फ्रेंस की लोकप्रिय सरकार सत्ता में है। उन्होंने इन राजनीतिक दलों द्वारा जानबूझकर धर्म, भाषा और जाति के आधार पर जम्मू-कश्मीर को विभाजित करने के लिए बनाए जा रहे माहौल पर गंभीर चिंता व्यक्त की और स्थिति को अत्यंत संवेदनशील बताया। उन्होंने कहा कि दशकों से नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के नेतृत्व वाली लगातार सरकारों के तहत जम्मू को व्यवस्थित भेदभाव का सामना करना पड़ा है।

इसके बावजूद जम्मू के लोग अब भी आशावान हैं कि आगामी बजट उनके जीवनयापन के लिए आवश्यक कुछ राहत और लाभ प्रदान करेगा। उन्होंने आगे कहा कि समाज के सभी वर्ग - युवा, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और श्रमिक - इस बजट से न्याय की अपेक्षा कर रहे हैं। सुनील सेठी ने सवाल उठाया कि केंद्र शासित प्रदेश सरकार निधि के लिए पूरी तरह से केंद्र सरकार पर निर्भर क्यों है और उसके पास आत्मनिर्भरता स्थापित करने के लिए कोई ठोस दृष्टिकोण क्यों नहीं है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that Lt. Prithpal Singh S/o Late Lt. Tara Singh and Lt. Tirath Kour W/o Baldev Singh D/o Late Lt. Tara Singh expired on 08/03/1977 and 26/04/2020 respectively.

That the following persons are the only legal heirs of Late Lt. Prithpal Singh S/o Late Lt. Tara Singh:

1.Mohinder Kour D/o Late Lt. Tara Singh W/o Manjeet Singh

2. Anmol W/o Late Parvinder Singh (Daughter in In law)

3. Sohan Singh S/o Lt. Tirath Kour W/o Baldev Singh D/o Late Lt. Tara Singh (Maternal Grandson)

4. Vikram Singh S/o Lt. Tirath Kour W/o Baldev Singh D/o Late Lt. Tara Singh (Maternal Grandson)

5. Amit Singh S/o Lt. Tirath Kour W/o Baldev Singh D/o Late Lt. Tara Singh (Maternal Grandson)

If any person has any objection to the above-mentioned names, he or she may file his or her objections within 10 (ten) days from the date of publication of this notice.

Failure to file any objection within the stipulated time shall be presumed that there is no objection to the said notice.

This notice is issued for the purpose of attestation of inheritance/mutation of the deceased.

Date:

Place:

Phno:- 7006443039

Mohinder Kour
Ph No:-9797477336
Sohan Singh

जेकेपीएसए प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ से की शिष्टाचार भेंट, निजी स्कूलों और शिक्षा विभाग के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा

जम्मू, 05 फरवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन जेकेपीएसए की सांबा इकाई के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में नव-नियुक्त मुख्य शिक्षा अधिकारी सीईओ सांबा यश पाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर जिले की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जेकेपीएसए के जिला अध्यक्ष प्रदीपक सांब्याल ने किया। बैठक के दौरान निजी शिक्षण संस्थानों और शिक्षा विभाग के बीच समन्वय को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। सीईओ यश पाल शर्मा ने 24 जनवरी 2026 को आयोजित तिरंगा रैली में निजी स्कूलों की सराहनीय भागीदारी की प्रशंसा की जिसमें 8,000 से अधिक प्रतिभागियों ने रानी सुचेतगढ़ स्टेडियम से सांबा किला तक मार्च किया था। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक स्तर को ऊंचा उठाने के लिए आपसी सहयोग और प्रभावी समन्वय बेहद जरूरी है।

बैठक में जेकेपीएसए के विभिन्न पदाधिकारियों ने प्रशासनिक मुद्दे भी उठाए। केंद्रीय निकाय के प्रचार सचिव गौरव चाढ़क ने राष्ट्रीय कार्यक्रमों की पूर्व सूचना समय पर जारी करने और जिला स्तरीय बैठकों में निजी स्कूल प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग रखी। जिला अध्यक्ष प्रदीपक सांब्याल ने परीक्षाओं के सुचारु संचालन और परिणामों की शीघ्र पुष्टि की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं महासचिव विशाल सिंह जम्वाल ने यूडीआईएसई पोर्टल पर छात्रों के डेटा संशोधन एसओ2 और एसओ3 फॉर्म की प्रक्रिया को सरल और तेज करने की मांग की। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शबीर मलिक, तरसेम लाल, शिव चरण, गुरदयाल और राजेश कुमार सहित अन्य प्रमुख सदस्य भी उपस्थित रहे।

एनएमसी ने मेडिकल अलाउंस बढ़ाने की मांग तेज की

जम्मू, 05 फरवरी (हि.स.)। नेशनल मज़दूर कॉन्फ्रेंस (एनएमसी) के अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री से ज़ोरदार अपील करते हुए पेंशनरों को मिलने वाले मासिक मेडिकल अलाउंस को वर्तमान 300 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आगामी वित्त वर्ष का बजट प्रस्तुत करते समय, जारी बजट सत्र के दौरान इस संबंध में घोषणा की जानी चाहिए। यह मांग एनएमसी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए उठाई गई। शास्त्री ने कहा कि बीते दो दशकों में दवाइयों और चिकित्सा खर्चों में भारी वृद्धि हुई है जिसके मद्देनज़र यह मांग पूरी तरह से जायज़ है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में अप्रैल 2020 से ही पेंशनरों को 1000 रुपये प्रतिमाह मेडिकल अलाउंस दिया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर को छोड़कर लगभग सभी केंद्र शासित प्रदेश अपने पेंशनरों को 1000 रुपये मेडिकल अलाउंस दे रहे हैं जबकि जेकेयूटी में अब भी केवल 300 रुपये ही दिए जा रहे हैं। शास्त्री ने उम्मीद जताई कि पेंशनरों की इस लंबे समय से लंबित मांग का समाधान आने वाले बजट में किया जाएगा। इसके अलावा शास्त्री ने जनवरी 2020 से जून 2021 तक के 18 महीनों के लंबित महंगाई भत्ता (डीए) एरियर जारी करने की भी मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय वित्त मंत्री से भी अपील की कि कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए रोके गए तीन डीए किस्तों के एरियर जारी किए जाएं, साथ ही 1 जनवरी 2026 से देय तीन प्रतिशत डीए पर भी विचार किया जाए।

जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप में दिखा जोश, लखनपुर व बिलावर सेमीफाइनल में

कठुआ, 05 फरवरी (हि.स.)। जिला प्रशासन कठुआ एवं आबकारी विभाग के सहयोग से आयोजित जूनियर क्रिकेट चैंपियनशिप का दूसरा दिन कठुआ स्टेडियम में उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

यह प्रतियोगिता कठुआ क्रिकेट लीग का हिस्सा है और नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्यों को बढ़ावा दे रही है।

बुधवार को खेले गए मुकाबलों में लखनपुर ने नगरी को हराया, जबकि बिलावर ने सल्हन पर जीत दर्ज की। लखनपुर ने नगरी को 47 रनों पर समेटकर तीन ओवर में लक्ष्य हासिल किया। वहीं बिलावर ने 118 रन बनाकर सल्हन को 78 रनों पर आउट कर दिया। इन जीतों के साथ लखनपुर और बिलावर की टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं, जो कल खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों व दर्शकों का उत्साह लगातार बना हुआ है।

संपादकीय

मिलावट सबसे बड़ी चुनौती

आधुनिक समय में खाद्य पदार्थों में मिलावट से निपटना एक बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि मुनाफाखोर तत्व अनुचित लाभ कमाने के लिए कम मूल्य वाली चीज़ों को जानबूझकर खाद्य पदार्थों में मिलाने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। परंपरागत रूप से दूध में पानी मिलाया जाता था, लेकिन आज विज्ञान की प्रगति और लोगों के बढ़ते लालच के कारण स्थिति बेहद चिंताजनक हो गई है। विभिन्न प्रकार की मिलावट की प्रथाएँ प्रचलन में हैं, जिनमें नियमों की कोई परवाह नहीं की जा रही और न ही मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणामों की चिंता की जा रही है। मिठाइयों में नकली खोया, विभिन्न खाद्य पदार्थों में सस्ता पाम ऑयल, सिंथेटिक पनीर और दूध जैसे कई उत्पाद बाज़ारों में खुलेआम बेचे जा रहे हैं। इसने सरकार के कंधों पर बड़ी ज़िम्मेदारी डाल दी है कि वह सतर्कता बरते और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे, क्योंकि लोगों का स्वास्थ्य दांव पर लगा है। इसी संदर्भ में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने विधानसभा को जानकारी दी कि जम्मू-कश्मीर, जिसमें श्रीनगर भी शामिल है, में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मिलावटी चावल की बिक्री की जांच के लिए नियमित रूप से बाज़ार निरीक्षण और नमूना संग्रह किया जा रहा है। बताया गया कि मंत्री ने यह जानकारी विधायक शमीम फिरदौस द्वारा 'मिलावटी चावल' से संबंधित पूछे गए प्रश्न के उत्तर में दी। मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 121 चावल के नमूने एकत्र कर NABL मान्यता प्राप्त खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं में जांच के लिए भेजे गए। इनमें से अब तक 110 रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी हैं, जिनमें से 7 नमूनों को 'मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं' (NSQ) पाया गया है और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत सक्षम न्यायालयों में मामले दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने सदन को यह भी बताया कि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश, जिसमें श्रीनगर भी शामिल है, में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत नियमित रूप से बाज़ार निरीक्षण और चावल के नमूनों की जांच की जा रही है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि 7 हस्तनमूनों में से 3 में फोलिक एसिड की मात्रा निर्धारित मानकों से कम पाई गई, जबकि 4 नमूनों में चॉकली (चूने जैसी) दानों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई।

इस पूरे परिदृश्य को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि जम्मू-कश्मीर में मिलावट की स्थिति एक गंभीर मोड़ पर पहुंच चुकी है। इसलिए समय की मांग है कि संबंधित विभागों और पुलिस को साथ लेकर एक व्यापक अभियान चलाया जाए और मिलावट करने वालों के खिलाफ सबसे सख्त संभव कार्रवाई की जाए। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस कुप्रथा पर रोक लगाए और बाज़ार में बिकने वाले खाद्य पदार्थों की शुद्धता सुनिश्चित करे।

मिलावट पर अंकुश लगाने का एक प्रभावी तरीका यह है कि उन स्थानों पर कड़ी निगरानी रखी जाए जहां खाद्य पदार्थ उगाए जाते हैं, तैयार किए जाते हैं या निर्मित होते हैं, और इसके लिए निर्धारित एजेंसियों को सक्रिय किया जाए। उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला स्तर पर कमजोर प्रवर्तन और निरंतर निगरानी की कमी के कारण कानून और निरीक्षण मौजूद होने के बावजूद मिलावट जारी रहती है।

भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करना भी इस समस्या को काफी हद तक हल कर सकता है, इसलिए इस पहलू पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि व्यवस्था को त्रुटिरहित बनाया जा सके। कुल मिलाकर, सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी होगी, अन्यथा मिलावट समाज में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट को जन्म दे सकती है।

सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव- क्या बदला है और यह क्यों ज़रूरी है

इससे सीपीआई वही महंगाई दिखाता है, जो सच में आम परिवार के बजट को प्रभावित करती है। साथ ही, उपभोग की टोकरी(कंजम्पशन बास्केट) को भी बदला गया है, ताकि सेवाओं पर बढ़ते खर्च जैसे नए रुझान दिखाई दे सकें, जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली की वजह से बढ़ रहे हैं।सीपीआई को मापने का तरीका अपडेट करना भी उतना ही ज़रूरी है, जितना यह तय करना कि उसमें क्या-क्या शामिल किया जाए। नया संशोधित सीपीआई अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्यादा करीब है, लेकिन इसमें भारत से जुड़ी खास बातें भी बनी हुई हैं। इससे भारत की महंगाई की तुलना दूसरे देशों से करना आसान हो जाता है।

सौरभगर्ग

महंगाई देश के सबसे अहम आर्थिक संकेतकों में से एक है, जिसे आम लोग रोज़मर्रा की ज़िंदगी में सीधे महसूस करते हैं, जैसे घर का राशन, किराया और पेट्रोल-डीज़ल के खर्च में बढ़ोतरी से।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक(सीपीआई) इसी महंगाई को मापता है। यह उन चीज़ों और सेवाओं के दाम देखता है, जिनका इस्तेमाल आम परिवार रोज़ करता है। सरल शब्दों में, सीपीआई आम आदमी की ज़िंदगी का आईना है। यह बताता है कि थाली में खाने का खर्च कितना बढ़ा, घर का किराया कितना हुआ, और काम पर जाने के लिए ईंधन कितना महंगा हुआ।

सीपीआई भले ही एक आंकड़ा लगता हो, लेकिन यह सरकार को यह समझने में मदद करता है कि लोगों पर महंगाई का असली असर क्या है। इसी आधार पर वेतन, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े फैसले किए जाते हैं, ताकि ज़रूरी चीज़ें आम लोगों की पहुंच में बनी रहें।

भारतीय रिज़र्व बैंक भी ब्याज दर और महंगाई को नियंत्रित करने जैसे फैसलों के लिए सीपीआई आधारित महंगाई को ही सबसे मुख्य पैमाना मानता है। इसलिए जब सीपीआई ज़मीन की हकीकत सही तरीके से दिखाता है, तब सरकार और आरबीआई की नीतियाँ भी लोगों की असली परेशानियों के अनुसार बेहतर बन पाती हैं।

महंगाई सिर्फ दाम बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह भी है कि दामों में बदलाव से घर के बजट पर कितना असर पड़ता है। इसलिए जितना ज़रूरी दामों को मापना है, उतना ही ज़रूरी यह भी है कि महंगाई का सूचकांक लोगों की आज की खर्च करने की आदतों को सही तरीके से दिखाए। इसी संदर्भ में भारत में सीपीआई के आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 किया जा रहा है।

पिछली बार आधार बदले जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में बहुत बदलाव आया है। शहरों की आबादी बढ़ी है, सेवाओं का क्षेत्र बढ़ा है, डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण खरीदारी का तरीका बदला है और घरों का खर्च अब कई नई चीजों पर होने लगा है।

इसीलिए नया सीपीआई 2024 तैयार करने में 2023-24 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है।समय के साथ लोगों की ज़रूरतें और खर्च बदलते हैं, इसलिए सीपीआई में अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं को दी जाने वाली अहमियत भी बदली गई है। जिन चीजों पर अब परिवार ज़्यादा खर्च करते हैं, उन्हें सीपीआई में ज़्यादा महत्व दिया गया है,

और जिन पर खर्च कम हो गया है, उन्हें कम महत्व दिया गया है।

इससे सीपीआई वही महंगाई दिखाता है, जो सच में आम परिवार के बजट को प्रभावित करती है। साथ ही, उपभोग की टोकरी(कंजम्पशन बास्केट) को भी बदला गया है, ताकि सेवाओं पर बढ़ते खर्च जैसे नए रुझान दिखाई दे सकें, जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली की वजह से बढ़ रहे हैं।सीपीआई को मापने का तरीका अपडेट करना भी उतना ही ज़रूरी है, जितना यह तय करना कि उसमें क्या-क्या शामिल किया जाए।

नया संशोधित सीपीआई अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्यादा करीब है, लेकिन इसमें भारत से जुड़ी खास बातें भी बनी हुई हैं। इससे भारत की महंगाई की तुलना दूसरे देशों से करना आसान हो जाता है।

आम परिवार के लिए इसका मतलब यह है कि सरकार और नीति बनाने वाले लोग यह बेहतर समझ पाते हैं कि भारत में दामों में होने वाला बदलाव दुनिया के हालात से कैसे जुड़ा है, और साथ ही यह भी ध्यान रहता है कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर क्या असर पड़ रहा है।

सीपीआई के लिए आंकड़े जुटाने का तरीका भी अब लोगों की बदलती खरीदारी और खर्च की आदतों के अनुसार बेहतर बनाया गया है। जहां पहले की तरह बाजारों से दाम इकट्ठा किए जाते रहेंगे, खासकर खाने-पीने और ज़रूरी चीज़ों के, वहीं 2024 के नए ढांचे में अब कुछ सेवाओं के ऑनलाइन दाम भी शामिल किए जा रहे हैं। जैसे मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं, हवाई टिकट और कुछ अन्य सेवाओं के दाम अब ऑनलाइन स्रोतों से भी लिए जाएंगे।

नई सीपीआई श्रृंखला में अब कंप्यूटर की मदद से दाम इकट्ठा किए जा रहे हैं। इससे हाथ से होने वाली गलतियाँ कम हुई हैं और तुरंत जाँच भी हो जाती है। इससे दामों से जुड़े आंकड़ों की गुणवत्ता और समय पर उपलब्धता दोनों बेहतर हुई हैं। सीपीआई के आंकड़े सही और समय पर मिलना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर ऐसे फैसले होते हैं, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को प्रभावित करते हैं, जैसे कर्ज कितना महंगा होगा, बचत पर कितना ब्याज मिलेगा, और बढ़ती महंगाई से घर का बजट कैसे प्रभावित होगा।

नए आधार वर्ष की सीपीआई में अब कई मामलों में सरकारी स्रोतों से मिलने वाले आधिकारिक आंकड़ों का ज्यादा इस्तेमाल किया जा रहा है। जैसे रेल किराया, डाक शुल्क, ईंधन के दाम और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बिकने वाली चीजें। इससे इन दामों को पहले से ज्यादा सही तरीके से दर्ज किया जा रहा है और बाजार सर्वे में होने वाली गलती या पक्षपात की संभावना भी कम हो जाती है।

अब सर्वे के आंकड़े, सरकारी रिकॉर्ड और डिजिटल माध्यमों से मिलने वाले दाम, तीनों को मिलाकर सीपीआई तैयार की जा रही है। यह पुरानी व्यवस्था की तुलना में बड़ा सुधार है और इससे दामों में होने वाले बदलाव की ज्यादा भरोसेमंद तस्वीर मिलती है।

इतने बड़े स्तर पर सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव करना एक बहुत बड़ा संस्थागत प्रयास होता है। इसमें देश भर के फील्ड दफ्तरों, सांख्यिकी विभागों और राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ संस्थाओं के बीच तालमेल जरूरी होता है। इस पूरी प्रक्रिया में मेथडोलॉजी की गहराई से जाँच की जाती है, अलग-अलग विकल्पों को परखा जाता है और अर्थशास्त्रियों व विषय-विशेषज्ञों से सलाह ली जाती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने विशेषज्ञ समूहों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत की है, ताकि किए गए बदलाव साफ, समझने में आसान और वैज्ञानिक रूप से सही हों।

टोकरी, वेटेज और आंकड़ों के स्रोत बदलने के बाद भी सीपीआई का मूल उद्देश्य वही रहता है- यानी एक परिवार की नज़र से दामों में होने वाले बदलाव को दिखाना। यह निरंतरता इसलिए ज़रूरी है, ताकि हम समय के साथ महंगाई की तुलना कर सकें।

सीधे शब्दों में, सीपीआई को बेहतर बनाया जा रहा है, लेकिन उसे रोज़मर्रा की ज़िंदगी से जोड़कर ही रखा गया है, ताकि वह नीति बनाने वालों के लिए एक भरोसेमंद मार्गदर्शक बना रहे।सीपीआई हमें यह याद दिलाता है कि हर आंकड़े के पीछे करोड़ों लोगों की असली ज़िंदगी छिपी होती है। आखिरकार, आंकड़े लोगों के लिए ही होते हैं। यह चुपचाप यह दिखाता है कि दामों में बदलाव हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी को कैसे प्रभावित करता है और सरकार की नीतियों को दिशा देता है।

आधार वर्ष में चल रहे संशोधन के ज़रिये सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह सुनिश्चित किया है कि सीपीआई सही, समय के अनुसार अपडेट और लंबे समय तक एक-जैसे तरीके से मापा गया रहे। ताकि सीपीआई सिर्फ एक संख्या न होकर, पूरे देश के लोगों की असली ज़िंदगी की सच्चाई दिखाने वाला आईना बना रहे।

(लेखक सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं, यह उनके निजी विचार हैं)

भारत के लिए ये निवेश, विकास और तकनीकी क्रांति का वक्त है

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत आज वै.श्विक आर्थिक मानचित्र पर तेजी से अपनी पहचान बना रहा है।

वैश्विक परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ब्लैक रॉक के अध्यक्ष और सीईओ लैरी फिंक के हालिया बयान ने भारत के संदर्भ में जो कहा है, उसने आज हर भारतीय को गर्व और आशा से भर दिया है। फिंक के अनुसार आगामी दशक भारतीय अर्थव्यवस्था के के लिए सफलता भरा है, यह भारत का युग होगा, जिसमें देश की जीडीपी हर साल 8-10 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

वस्तुत- फिंक ने भारतीयों से अपने पैसे को केवल बैंक जमा में रखने के बजाय पूंजी बाजारों में निवेश करने की सलाह दी है। इसके लिए उन्होंने अमेरिका का उदाहरण चुना और बताया कि कैसे पूंजी बाजारों में निवेश करने वालों को चक्रवृद्धि ब्याज के रूप में लंबी अवधि में बैंक बचत से कहीं अधिक लाभ वहां हुआ। यह भारतीय निवेशकों के लिए संदेश भी है कि समय रहते निवेश करना दीर्घकालिक समृद्धि का मार्ग है।

कहना होगा कि भारत की आर्थिक सफलता आज डिजिटल क्रांति, 5जी कनेक्टिविटी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्टार्टअप इकोसिस्टम से तेजी से आगे बढ़ रही है। इन सभी कारणों ने भारत को वैश्विक तकनीकी नक्शे पर अग्रणी बना दिया है। आज भारत में 5जी नेटवर्क लगभग सभी गांवों तक पहुंच चुका है, जिसे आप दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले कहीं अधिक व्यापक और किफायती मान सकते हैं। इस तकनीकी आधार ने व्यवसायों को नई दिशा दी है, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी बढ़ाई है।

इस संदर्भ में रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी का कथन भी उल्लेखित है, उन्होंने अपने आर्थकि आंकड़ों एवं देश में जिस तरह से नई- नई कंपनियां एवं प्रतिभाएं उभर रही हैं, उसके आधार पर बताया है कि भारत में नए स्टार्टअप्स और व्यवसायिक अवसरों की बाढ़ आने से शीघ्र ही देश में 100 नई रिलायंस जैसी कंपनियां उभरेंगी। निश्चित ही यह तथ्य हमारे लिए बहुत आशा जगाता है। वहीं अंबानी ने ध्यान दिलाया कि पिछले साल भारतीयों ने सोने में 60 अरब डॉलर और चांदी में 15 अरब डॉलर का निवेश किया। जोकि सीधे तौर पर भारतीयों की सुरक्षा की भावना को दर्शाता है।

साथ ही मुकेश अंबानी ने तो भारतीयों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता से डरने की बजाय इसे अपनाने की सलाह दी। एआई के माध्यम से भारत के 20 करोड़ बच्चों की शिक्षा में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और कराधान प्रक्रियाओं में दक्षता लाना संभव है। यह एक संकेत है कि भारत में तकनीक केवल व्यवसाय या उद्योग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और मानव विकास का एक प्रमुख आधार भी बन रही है।

यह भी एक तथ्य है कि देश में जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैक रॉक की साझेदारी ने निवेशकों के लिए एक नया मंच तैयार किया है। पिछले सात महीनों में, उनके फंड ने 10 लाख निवेशकों को जोड़ा, जिनमें से एक चौथाई निवेशकों ने पहली बार म्यूचुअल फंड में निवेश किया। वस्तुत- यह दर्शाता है कि भारतीय निवेशक अब वित्तीय साक्षरता और लंबी अवधि के निवेश के महत्व को समझने लगे हैं।

केवी कामथ, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज के चेयरमैन की भी एक भविष्यवाणी हमारे सामने है, जिसके अनुसार आने वाले पांच वर्षों में म्यूचुअल फंडों के तहत परिसंपत्तियों की कुल मात्रा 80 लाख करोड़ रुपये से दोगुनी हो जाएगी। यह न सिर्फ भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है, बल्कि यह दर्शाता है कि वित्तीय बाजारों में भागीदारी बढ़ाने के लिए सही समय अभी है। विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़े भी भारत की स्थिति की पुष्टि करते हैं। भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश के अनुपात में बढ़ोतरी हो रही है। उदाहरण के लिए, सरकार ने 2025-26 में शिक्षा और कौशल विकास पर लगभग 10 प्रतिशत अधिक बजट आवंटित किया, जिससे युवाओं को रोजगार और नवाचार के नए अवसर मिल रहे हैं। भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। अगले दशक में, भारत ऊर्जा जरूरतों का 80 प्रतिशत आयात करने वाला देश नहीं रहेगा। अक्षय ऊर्जा, सौर ऊर्जा परियोजनाएं, और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे नवाचार इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके साथ ही, भारत का ग्रीन एनर्जी निवेश वर्तमान में 20 अरब डॉलर से अधिक है, और यह संख्या हर वर्ष बढ़ रही है।

इन तथ्यों के आधार पर कह सकते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण से भी भारत तेजी से एक ग्लोबल इकोनॉमिक हब बनता जा रहा है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, भारत अगले 10 वर्षों में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। इसके पीछे मुख्य कारण हैं; युवा जनसंख्या, तकनीकी प्रगति, वित्तीय साक्षरता और स्थिर राजनीतिक नेतृत्व।

वस्तुत- इसी क्रम में, फिंक का यह कथन कि भारत का युग आ रहा है, वास्तविक आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी प्रगति का परिणाम दर्शाता है। भारत आज अपने नागरिकों के लिए अनेक नए अवसर तो प्रदान कर ही रहा है, साथ में दुनिया के निवेशकों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण बनता जा रहा है।

ऐसे में कहना यही है कि भारत आज एक नई आर्थिक और तकनीकी क्रांति के दौर में प्रवेश कर चुका है। जिसे उनसे अपनी युवा शक्ति, तकनीकी नवाचार, वित्तीय जागरूकता और स्थिर नेतृत्व के सम्मिलित परिणाम से प्राप्त किया है। आज लैरी फिंक और मुकेश अंबानी जैसे वैश्विक और राष्ट्रीय नेतृत्व की दृष्टि यह स्पष्ट करती है कि भारत आने वाले दशक में केवल विकास के आकंड़ों में ही नहीं, बल्कि वैश्विक निवेश और नवाचार के मानचित्र में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। निशचित ही हर भारतीय के लिए यह समय है सपनों को बड़ा देखने का, निवेश करने का और देश की प्रगति का हिस्सा बनने का।

ऑनलाइन गेमिंग- मनोरंजन से लत और लत से त्रासदी तक

– डॉ. सत्यवान सौरभ

गाजियाबाद में तीन सगी बहनों की सामूहिक आत्महत्या की खबर केवल एक अपराध समाचार नहीं है, बल्कि यह हमारे समय की सबसे भयावह सामाजिक सच्चाइयों में से एक का आईना है। नौवीं मंज़िल से कूदकर जान देने की यह घटना दिल दहला देने वाली है क्योंकि इसके पीछे कोई तात्कालिक झगड़ा, आर्थिक तंगी या पारिवारिक हिंसा नहीं बल्कि एक ऐसी अदृश्य दुनिया है, जो चुपचाप बच्चों के मन-मस्तिष्क पर कब्ज़ा कर रही है- ऑनलाइन गेमिंग की दुनिया। यह घटना हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम सचमुच अपने बच्चों की दुनिया को समझ पा रहे हैं या हम उन्हें मोबाइल स्क्रीन के हवाले कर निश्चिंत हो बैठे हैं।

डिजिटल युग में तकनीक जीवन को आसान बनाने का माध्यम बनी है लेकिन उसी तकनीक का अनियंत्रित उपयोग अब समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग, जो कभी मनोरंजन, एकाग्रता और रणनीतिक सोच का साधन मानी जाती थी, आज कई मामलों में बच्चों और किशोरों के लिए मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक विनाश का कारण बन रही है। खासकर कोरोना काल के बाद, जब ऑनलाइन शिक्षा और घर में बंद जीवन ने बच्चों को मोबाइल और इंटरनेट के और अधिक करीब कर दिया, तब से यह समस्या और गहराई है।

ऑनलाइन गेम्स का मनोविज्ञान बेहद चालाकी से तैयार किया गया है। गेम डिज़ाइनर बच्चों की मानसिक संरचना को समझते हैं- इनाम, लेवल, रैंकिंग, वर्चुअल पहचान, और प्रतिस्पर्धा के ज़रिए उन्हें इस तरह बांधा जाता है कि वे बार-बार उसी दुनिया में लौटें। धीरे-धीरे खेल खेलना एक आदत बनता है, फिर ज़रूरत, और अंततः लत। यह लत शराब या नशे से कम खतरनाक नहीं होती क्योंकि इसमें शरीर नहीं, दिमाग़ जकड़ा जाता है। बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है- उसे परिवार बोझ लगने लगता है, पढ़ाई व्यर्थ लगती है और जीवन के छोटे-छोटे सुख फीके पड़ जाते हैं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस लत के शिकार अधिकतर बच्चे और किशोर होते हैं- वही उम्र, जब व्यक्तित्व निर्माण होता है, भावनात्मक संतुलन विकसित होता है और जीवन को समझने की प्रक्रिया चल रही होती है। इस उम्र में यदि बच्चा आभासी दुनिया में जीने लगे, तो उसकी वास्तविक समस्याओं से जूझने की क्षमता कमजोर हो जाती है। हार-जीत, तनाव, असफलता और रिश्तों की जटिलता से निपटने के बजाय वह 'एस्केप' खोजने लगता है—और ऑनलाइन गेम्स उसे यह आसान पलायन उपलब्ध कराते हैं।

गाजियाबाद की घटना में यह तथ्य और अधिक विचलित करता है कि बच्चियाँ दो साल से स्कूल नहीं जा रही थीं और मोबाइल की लत का ज़िक्र सामने आया है। यह सवाल उठता है कि क्या परिवार, स्कूल और समाज- तीनों स्तरों पर निगरानी और संवाद की कमी रही? आज के समय में बच्चों का स्कूल न जाना केवल शैक्षणिक समस्या नहीं बल्कि एक गहरी सामाजिक और मानसिक समस्या का संकेत है। स्कूल सिर्फ पढ़ाई की जगह नहीं होते बल्कि बच्चों के लिए सामाजिक संपर्क, भावनात्मक सहारा और संरचना प्रदान करते हैं। जब बच्चा इससे कट जाता है, तो वह अपने भीतर सिमटने लगता है।

अक्सर अभिभावक यह मान लेते हैं कि बच्चा घर में है, मोबाइल हाथ में है, तो सुरक्षित है। यही सबसे बड़ा भ्रम है। मोबाइल आज केवल संचार का साधन नहीं, बल्कि एक पूरी दुनिया है—जिसमें अच्छा भी है और बेहद खतरनाक भी। अभिभावकों की व्यस्तता, आर्थिक दबाव और 'डिजिटल ही भविष्य है' जैसी सोच ने बच्चों को समय से पहले एक ऐसे संसार में धकेल दिया है, जिसे वे न समझ पाते हैं और न संभाल पाते हैं। माता-पिता और बच्चों के बीच संवाद का अभाव इस खतरे को और बढ़ा देता है।

यह भी एक सच्चाई है कि भारतीय समाज में मानसिक स्वास्थ्य को अब भी गंभीरता से नहीं लिया जाता। बच्चे चुप हैं, अकेले हैं, चिड़चिड़े हैं या अपने कमरे में बंद रहते हैं तो इसे 'उम्र का असर' कहकर टाल दिया जाता है। आत्मघाती विचार, अवसाद और चिंता जैसे मुद्दों पर बात करना अब भी कई परिवारों में वर्जित माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि समय रहते की गई एक संवेदनशील बातचीत कई जिंदगियाँ बचा सकती है।

ऑनलाइन गेमिंग के दुष्प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसके सामाजिक प्रभाव भी गंभीर हैं। अत्यधिक गेमिंग से बच्चों में हिंसक व्यवहार, आक्रामकता, सहानुभूति की कमी और सामाजिक रिश्तों से दूरी बढ़ती है। आभासी जीत उन्हें वास्तविक परिश्रम से दूर कर देती है। जब वास्तविक जीवन में चुनौतियाँ आती हैं, तो वे टूट जाते हैं, क्योंकि उन्होंने संघर्ष करना सीखा ही नहीं होता। यही टूटन कई बार आत्मघाती कदम का कारण बनती है।

यह कहना भी उचित नहीं होगा कि हर ऑनलाइन गेम या हर तकनीकी का उपयोग बुरा है। समस्या तकनीक में नहीं, उसके अनियंत्रित और गैर-जिम्मेदार उपयोग में है। यदि बच्चे सीमित समय के लिए उम्र के अनुरूप और अभिभावकों की निगरानी में गेम खेलें तो यह मनोरंजन और सीख का साधन भी हो सकता है। लेकिन जब गेमिंग जीवन का केंद्र बन जाए, तो खतरे की घंटी बज जानी चाहिए।

समाधान के स्तर पर हमें बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहली जिम्मेदारी परिवार की है। अभिभावकों को बच्चों के साथ समय बिताना होगा, उनके डिजिटल व्यवहार को समझना होगा और डर या दंड की बजाय संवाद का रास्ता अपनाना होगा। मोबाइल देना आसान है, लेकिन बच्चे का मन पढ़ना कठिन—और यही कठिन काम आज सबसे ज़रूरी है। बच्चों के लिए स्पष्ट डिजिटल नियम, स्क्रीन टाइम की सीमा और वैकल्पिक गतिविधियाँ—जैसे खेल, किताबें, कला और सामाजिक मेलजोल—अनिवार्य किए जाने चाहिए।स्कूलों की भूमिका भी बेहद अहम है। केवल पाठ्यक्रम पूरा करना पर्याप्त नहीं है। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, और ऑनलाइन खतरों पर नियमित कक्षाएँ और परामर्श सत्र होने चाहिए। शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए कि वे बच्चों के व्यवहार में आने वाले सूक्ष्म बदलावों को पहचान सकें। स्कूल और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद आज की आवश्यकता है।

सरकार और नीति-निर्माताओं की जिम्मेदारी भी इससे कम नहीं है। बच्चों और किशोरों के लिए ऑनलाइन गेमिंग के स्पष्ट नियम, आयु-आधारित प्रतिबंध, चेतावनी संदेश और लत पैदा करने वाले डिज़ाइन पर नियंत्रण आवश्यक है। कई देशों में 'डिजिटल वेलबीइंग' को नीति का हिस्सा बनाया गया है—भारत को भी इस दिशा में गंभीर कदम उठाने होंगे। तकनीकी कंपनियाँ केवल मुनाफ़े के बारे में न सोचें, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाएँ।

मीडिया और समाज को भी आत्ममंथन करना होगा। सनसनीखेज़ खबरों से आगे बढ़कर, हमें मूल कारणों पर चर्चा करनी होगी। ऑनलाइन गेमिंग को महज़ एक ट्रेंड या समय काटने का साधन बताकर उसके खतरों को हल्के में लेना अब संभव नहीं है। यह बच्चों के भविष्य और समाज के मानसिक स्वास्थ्य का सवाल है।

गाजियाबाद की तीन बहनों की मौत हमें एक कठोर सच्चाई से रूबरू कराती है कि अगर अब भी हम नहीं चेते तो ऐसी त्रासदियाँ दोहराई जाएँगी। यह समय दोषारोपण का नहीं बल्कि जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। परिवार, स्कूल, समाज, सरकार और तकनीकी कंपनियाँ- सभी को मिलकर बच्चों के लिए एक सुरक्षित, संतुलित और संवेदनशील डिजिटल वातावरण बनाना होगा।

अंततः, हमें यह याद रखना होगा कि कोई भी गेम, कोई भी आभासी जीत, किसी बच्चे की ज़िंदगी से बड़ी नहीं हो सकती। मनोरंजन जीवन का हिस्सा होना चाहिए, जीवन का विकल्प नहीं। बच्चों को मोबाइल से नहीं, रिश्तों से जोड़ना होगा; स्क्रीन से नहीं, संवेदनाओं से जोड़ना होगा। क्योंकि एक छोटी-सी अनदेखी, किसी परिवार के लिए जीवनभर का शून्य बन सकती है और यह शून्य किसी भी तकनीकी प्रगति से नहीं भरा जा सकता।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारतीय महिला हॉकी कोच सजोर्ड मारिजने ने एशियन गेम्स से पहले फिटनेस और टीम की एकजुटता पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने ने एशियन गेम्स 2026 और लॉस एंजेलिस ओलंपिक चक्र को ध्यान में रखते हुए फिटनेस और टीम के आपसी तालमेल को अपनी प्राथमिकता बताया है। दिसंबर 2025 में चार साल के अंतराल के बाद महिला हॉकी कार्यक्रम में वापसी करने वाले डच कोच ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान टीम की बुनियादी मजबूती पर है। सजोर्ड मारिजने ने कहा, 'इस समय हमारी सबसे पहली प्राथमिकता फिटनेस है, जो हमारे लिए बेहद अहम है। इसके साथ ही टीम के रूप में एकजुट होकर काम करना भी जरूरी है। जब यह आधार मजबूत हो जाएगा, तब तकनीकी पहलुओं पर और बेहतर तरीके से काम किया जा सकता है। ' भारतीय महिला टीम की नजरें मार्च 8 से 14 तक हैदराबाद में होने वाले एफआईएच महिला विश्व कप क्वालीफायर, एशियन गेम्स 2026 और एलए 2028 ओलंपिक चक्र की अन्य प्रमुख प्रतियोगिताओं पर टिकी हुई हैं। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारतीय महिला टीम को ऐतिहासिक चौथे स्थान तक पहुंचाने वाले सजोर्ड मारिजने ने लौटते ही बेंगलुरु स्थित खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र में चल रहे राष्ट्रीय कोचिंग शिविर की कमान संभाल ली है। यह शिविर 18 फरवरी तक चलेगा।

बॉक्सम एलीट 2026: हितेश और प्रीति की दमदार जीत से भारत की शानदार शुरुआत

ला नुसिया (एलिकांते)। भारत ने बॉक्सम एलीट इंटरनेशनल 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। 21 देशों के 214 मुक्केबाज़ों की मौजूदगी वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के पहले दिन भारतीय मुक्केबाज़ों ने एक के बाद एक दमदार प्रदर्शन कर अपनी ताकत दिखाई। विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स चैंपियन हितेश गुलिया (70 किग्रा) ने पुरुष वर्ग में भारत की अगुवाई करते हुए नीदरलैंड्स के फिन बॉस को 5:0 के एकतरफा फैसले से हराया। पूरे मुकाबले में हितेश पूरी तरह नियंत्रण में नजर आए और अपनी शानदार टाइमिंग व रिंग इंटेलिजेंस से प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया। इससे पहले, प्रीति (54 किग्रा) ने एलीट महिला वर्ग में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने कजाकिस्तान की अलियास्कर सिम्बत को 5:0 से मात देकर अपने तेज पंचों और मजबूत डिफेंस का बेहतरीन नमूना पेश किया। भारतीय महिलाओं का शानदार प्रदर्शन यहीं नहीं रुका। प्राची (57 किग्रा), प्रिया (60 किग्रा) और काजल (65 किग्रा) ने भी जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई। प्राची ने स्पेन की वेनेसा मोरेल रामिरेज और प्रिया ने कनाडा की अलेसिया मांसुएटो को 5:0 से हराया, जबकि काजल ने कड़े मुकाबले में कजाकिस्तान की असेम तनातार को 4:1 से शिकस्त दी। पुरुष वर्ग में भी भारतीय मुक्केबाज़ों ने दबदबा बनाए रखा।

राइफल-पिस्टल एशियन चैंपियनशिप में ईशा सिंह ने जीता स्वर्ण, सम्राट राणा को कांस्य

नई दिल्ली। डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में जारी एशियन चैंपियनशिप राइफल-पिस्टल प्रतियोगिता में भारत के निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश को बड़ी सफलता दिलाई, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन सम्राट राणा ने पुरुष वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। महिलाओं के फाइनल में ईशा सिंह ने 239.8 अंकों के साथ दबदबा दिखाया। उन्होंने चीनी ताइपे की येन-चिंग चेंग को 4.4 अंकों के अंतर से पीछे छोड़ा, जिन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। चेंग की हमवतन आई-वेन यू (217.7) तीसरे स्थान पर रहीं। भारत की सुरुचि सिंह 197.7 अंकों के साथ चौथे और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर 135.3 अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन राउंड में सैन्यम ने 584 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, लेकिन वह केवल रैंकिंग पॉइंट्स ओनली के तहत खेल रही थीं। इसके चलते सुरुचि (576), मनु भाकर (575-20×) और ईशा (575-18×) ने आठ खिलाड़ियों के फाइनल में जगह बनाई। इन तीनों के संयुक्त स्कोर 1726 के दम पर भारतीय महिला टीम ने टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया।

यामल और अराउहो के गोल से बार्सिलोना सेमीफाइनल में, अल्बासेटे को 2-1 से हराया

अल्बासेटे, (स्पेन)। गत विजेता बार्सिलोना ने कोपा डेल रे में अल्बासेटे के 'जायंट-किलिंग' अभियान पर विराम लगाते हुए मंगलवार को क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उसे 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई। हालांकि दूसरे डिवीजन की टीम अल्बासेटे ने अंत में जोरदार वापसी की कोशिश कर बार्सिलोना को कड़ी चुनौती दी। बार्सिलोना के लिए लामिन यामल ने 39वें मिनट में शानदार गोल कर स्कोरिंग की शुरुआत की। इसके बाद कप्तान रोनाल्ड अराउहो ने दूसरे हाफ में कॉर्नर से हेडर लगाकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। इसके साथ ही बार्सिलोना पिछले साल जीती गई ट्रॉफी का बचाव करने की दिशा में आगे बढ़ गया। मैच के अंतिम चरण में अल्बासेटे ने जोरदार दबाव बनाया। 87वें मिनट में जावियर मोरेनो ने फ्री-किक पर डाइविंग हेडर से गोल कर अंतर घटा दिया। स्टॉपेज टाइम में अल्बासेटे का एक और प्रयास बार्सिलोना की गोल लाइन से क्लीयर कर दिया गया, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया।

मैनचेस्टर सिटी काराबाओ कप के फाइनल में, आर्सेनल से होगी खिताबी जंग

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी ने काराबाओ कप (लीग कप) के सेमीफाइनल में न्यूकैसल को 3-1 से हराकर कुल 5-1 के एग्रीगेट स्कोर के साथ फाइनल में जगह बना ली। अब फाइनल मुकाबले में प्रीमियर लीग की शीर्ष दो टीमें आर्सेनल और मैनचेस्टर सिटी-22 मार्च को वेम्बली स्टेडियम में आमने- सामने होंगी।

इस मुकाबले में सिटी के फॉरवर्ड ओमर मारमूश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे, जबकि एक गोल तिजानी रेंडर्स ने किया। पहले लेग में 2-0 की बढ़त लेने वाली सिटी ने घरेलू मैदान एतिहाद स्टेडियम में सेमीफाइनल को लगभग एकतरफा बना दिया। न्यूकैसल की ओर से सांत्वना गोल सब्स्टीट्यूट एंथनी एलांगा ने किया। मारमूश ने मैच के सातवें मिनट में सिटी को बढ़त दिलाई, जब डैन बर्न

के टैकल से गेंद उनके शरीर से टकराकर गोल में चली गई। 29वें मिनट में कीरन ट्रिपियर की खराब क्लीयरेंस पर मारमूश ने हेडर से अपना दूसरा गोल किया। इसके तीन मिनट बाद रेंडर्स ने बॉक्स के अंदर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 3-0 कर दिया। 62वें मिनट में एलांगा ने न्यूकैसल के लिए गोल किया, जिससे स्कोरलाइन थोड़ी सम्मानजनक हो सकी। मैच के बाद मारमूश ने स्काई स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, 'हम ट्रॉफी जीतने के लिए खेलते हैं और हर दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं ताकि फाइनल तक पहुंचें और सिल्वरवेयर उठा सकें।' वहीं सिटी के मैनेजर पेप गार्डियोला ने आर्सेनल की तारीफ करते हुए कहा, 'आर्सेनल इस समय शायद यूरोप ही नहीं, दुनिया की भी सबसे बेहतरीन टीम है। उनके खिलाफ खेलना हमें और बेहतर बनाएगा। ' आर्सेनल ने चेल्सी को 1-0 से हराकर कुल 4-2 के एग्रीगेट के साथ फाइनल में प्रवेश किया था। प्रीमियर लीग में आर्सेनल फिलहाल छह अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष पर है, जबकि सिटी दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमें चैंपियंस लीग के राउंड ऑफ 16 और एफए कप के चौथे दौर में भी पहुंच चुकी हैं। यह फाइनल दोनों क्लबों के बीच हालिया प्रतिद्वंद्विता को और धार देगा। सिटी ने 2023 और 2024 में आर्सेनल को पीछे छोड़ते हुए लीग खिताब जीता था। आर्सेनल इस सीजन 2004 के बाद पहली बार लीग ट्रॉफी जीतने की कोशिश में है। काराबाओ कप जीतने पर मिकेल आर्टेटा को 2020 के एफए कप के बाद पहला बड़ा खिताब मिलेगा, वहीं गार्डियोला सिटी के साथ अपनी 16वीं बड़ी ट्रॉफी और पांचवीं लीग कप जीत सकते हैं।

आईसीसी टी20 रैंकिंग: ईशान ने लगाई 32 पायदान की छलांग, नंबर-1 ऑलराउंडर बने सैम अयूब

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने आईसीसी मेंस टी20 रैंकिंग में 32 पायदान की जबरदस्त छलांग लगाई है, जबकि पाकिस्तान के सैम अयूब ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष स्थान पर पहुंच गए हैं। ईशान किशन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के साथ लंबे वक्त बाद भारतीय टीम में स्थान मिला। उन्होंने सीरीज के तीन मुकाबलों में 76, 28 और 103 रन की पारी खेली। कुल 207 रन बनाने के साथ ईशान ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक भी लगाया। इस शानदार बल्लेबाजी के साथ ईशान टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत से ठीक पहले 32वें स्थान पर पहुंच गए। बल्लेबाजों की सूची में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पछाड़कर छठे स्थान पर आ गए हैं। वहीं, ओपनर अभिषेक शर्मा टॉप पर अपना दबदबा बनाए हुए हैं। इस बीच, पाकिस्तान के ओपनर सैम अयूब ने हाल ही में खत्म हुई ऑस्ट्रेलिया सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद टी20 फॉर्मेट की ऑलराउंडर रैंकिंग में टॉप स्थान हासिल किया है। 23 वर्षीय अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज में 119 रन बनाने के साथ 3 विकेट भी हासिल किए। उन्होंने इस शानदार खेल के साथ जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया है। गेंदबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर, अबरार अहमद महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

कोपा इटालिया: इंटर मिलान ने टोरिनो को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मिलान। इंटर मिलान ने खेले गए कोपा इटालिया क्वार्टरफाइनल मुकाबले में टोरिनो को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। कड़े मुकाबले में फ्रांस के युवा खिलाड़ियों एंजे-योआन बॉनी और एंडी डियूफ ने इंटर की जीत में अहम भूमिका निभाई।

मैच के 35वें मिनट में सेंटर-फॉरवर्ड एंजे-योआन बॉनी ने ताकतवर एंगल्ड हेडर के जरिए इंटर को बढ़त दिलाई। उनका शॉट सीधे टोरिनो के गोलकीपर अल्बर्टो पालेयारी के हाथों से निकलकर गोल में चला गया। इसके बाद दूसरे हाफ की शुरुआत में ही इंटर ने बढ़त दोगुनी कर ली। 47वें मिनट में एंडी डियूफ ने मार्कस थुराम के शानदार क्रॉस पर आसान टैप-इन करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। हालांकि टोरिनो ने हार नहीं मानी। मैच के लगभग एक घंटे के करीब क्रोएशियाई स्ट्राइकर सैंड्रो कुलैनोविच ने ऊंची छलांग लगाकर शानदार हेडर से गोल दागा और अपनी टीम को

मुकाबले में वापस ला दिया। इसके बाद टोरिनो ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया, लेकिन इंटर की मजबूत और अनुशासित डिफेंस के सामने उन्हें सफलता नहीं मिल सकी। इंटर मिलान के मुख्य कोच क्रिस्टियन कीवू ने इस मुकाबले में स्टार स्ट्राइकर लाउतारो मार्टिनेज को आराम दिया। यह मैच सैन सिरो स्टेडियम की बजाय मोंज़ा में खेला गया, क्योंकि सैन सिरो में शुक्रवार को होने वाले विंटर ओलंपिक्स के उद्घाटन समारोह की तैयारियां चल रही हैं। इस जीत के साथ इंटर मिलान कोपा इटालिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। अब बाकी क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में गुरुवार को अटलांटा का सामना युवेंटस से होगा, जबकि नेपोली और कोमो आमने-सामने होंगे।

इंग्लैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर मिक्स्ड डिसएबिलिटी टी-20 सीरीज जीती

एजेंसी

जयपुर। इंग्लैंड ने अपोलो मिक्स्ड डिसएबिलिटी टी-20द्ध सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत को चार विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। जयपुर में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने संयमित और आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य को पांच गेंद शेष रहते हासिल कर लिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम लगातार विकेट गिरने के कारण बड़ी साझेदारियां नहीं बना सकी और 18.5 ओवर में 9 विकेट पर 133 रन ही बना पाई। भारत की ओर से जयेश परमार सबसे चमकदार बल्लेबाज रहे। उन्होंने 33 गेंदों में 59 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के शामिल थे। उनकी इस आक्रामक पारी ने भारतीय पारी को गति दी। आकाश सिंह ने 18 गेंदों में 21 रन बनाए, जबकि विकेटकीपर योगेंद्र भदोरिया ने शीर्ष क्रम में 16 रन का योगदान दिया।

हालांकि, दूसरे छोर से नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे, जिससे भारत अंतिम ओवरों में तेजी से रन

नहीं बना सका। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने सटीक लाइन-लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत संभली हुई रही। लियाम ओ'ब्रायन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 70 रन (41 गेंद) बनाए। उनकी पारी में चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। ओ'ब्रायन ने पारी को बखूबी संभालते हुए भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और टीम को जीत की ओर ले गए। क्रिस्टोफर एडवर्ड्स ने 21 रन का उपयोगी योगदान दिया, जबकि कप्तान कैलम फ्लिन ने 12 रन जोड़कर रनचेज़ को स्थिरता प्रदान की। भारत ने बीच के ओवरों में अनुशासित गेंदबाजी से कुछ दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन इंग्लैंड के निचले मध्यक्रम ने संयम नहीं खोया। जॉर्डन विलियम्स अंत तक नाबाद रहते हुए टीम को जीत दिलाने में सफल रहे।

इंग्लैंड ने 19.1 ओवर में 6 विकेट पर 136 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया और सीरीज में 3-1 की निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। सीरीज का पांचवां और अंतिम टी-20द्ध मुकाबला 6 फरवरी को खेला जाएगा, जहां भारत सम्मान बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड की नजरें सीरीज का समापन जीत के साथ करने पर होंगी।

एरॉन जॉर्ज के शानदार शतक की बदौलत भारत अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में, अफगानिस्तान को 7 विकेट से दी शिकस्त

एजेंसी

हरारे। एरॉन जॉर्ज के शानदार शतक की बदौलत पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने 2026 आईसीसी पुरुष अंडर-19 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में भारत ने 311 रन के मुश्किल लक्ष्य को महज 41.1 ओवर में हासिल कर लिया और अपने 10वें वर्ल्ड कप फाइनल तथा लगातार छठे फाइनल में प्रवेश किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए एरॉन जॉर्ज ने दबाव भरे मैच में बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। उन्होंने 104 गेंदों पर 15 चौकों और दो छक्कों की मदद से 115 रन बनाए और 110.58 की स्ट्राइक रेट से भारत की जीत की नींव रखी। उनके अलावा वैभव सूर्यवंशी ने विस्फोटक अंदाज में 33 गेंदों पर 68 रन बनाए, जबकि कप्तान आयुष म्हात्रे ने 39 गेंदों पर 62 रनों की तेज पारी खेली। अंत

में विहान मल्होत्रा 47 गेंदों पर 38 रन बनाकर नाबाद रहे। जॉर्ज ने सूर्यवंशी के साथ पहले विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की। इसके बाद उन्होंने दूसरे विकेट के लिए म्हात्रे के साथ 114 रन और तीसरे विकेट के लिए मल्होत्रा के साथ 96 रन जोड़कर लक्ष्य को आसान बना दिया। इससे पहले अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट पर 310 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम की ओर से फैसल शिनोजादा ने 93 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 15 चौके शामिल थे। वहीं, उजैरुल्लाह नियाजई 86 गेंदों पर 101 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 148 रन की अहम साझेदारी की।भारत की ओर से गेंदबाजी में कनीशक चौहान और दीपेश देवेंद्रन ने दो-दो विकेट लिए, हालांकि अन्य गेंदबाज अफगान बल्लेबाजों पर ज्यादा अंकुश नहीं लगा सके।

लेकिन सूर्यवंशी, जॉर्ज और म्हात्रे की आक्रामक बल्लेबाजी के आगे अफगानिस्तान का स्कोर भी नाकाफी साबित हुआ। अब फाइनल मुकाबला 6 फरवरी को इसी मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जाएगा।

भारत 311/3, 41.1 ओवर (एरॉन जॉर्ज 115, वैभव सूर्यवंशी 68; नूरिस्तानी ओमरजई 2/64, वहीदुल्लाह जद्रान 1/67)

भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज की।

उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के निर्देश पर खिलाड़ी 10 फरवरी तक कराएं रजिस्ट्रेशन

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने वर्ष 2026-27 के लिए खिलाड़ियों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 10 फरवरी निर्धारित कर दी है। प्रसारण और नेटवर्क समाचार जिस खिलाड़ी ने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराया वह खिलाड़ी उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन और बीसीसीआई द्वारा आयोजित किसी भी ट्रायल्स और प्रतियोगिता में प्रतिभाग नहीं कर सकेंगे। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन (डीएसए) मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने बताया कि जिस खिलाड़ी ने अपना रजिस्ट्रेशन करा दिया है। वह डीएसए कार्यालय पर जल्द ही फीस जमा कर दें। ऐसा न करने पर रजिस्ट्रेशन नहीं माना जाएगा। रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 10 फरवरी है।

शूटिंग लीग ऑफ इंडिया फिर टली, इसी साल होगा आयोजन, तारीख की घोषणा बाद में

एजेंसी

नई दिल्ली। शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) का उद्घाटन संस्करण एक बार फिर टाल दिया गया है। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। पहले यह लीग पिछले साल शुरू होनी थी, जिसे बाद में फरवरी 2026 तक के लिए स्थगित किया गया था। अब एनआरएआई ने स्पष्ट किया है कि लीग की शुरुआत इसी साल बाद में की जाएगी, हालांकि नई तारीखों का ऐलान अभी नहीं किया गया है। आयोजकों की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह फैसला लीग की दीर्घकालिक मजबूती, बेहतर ब्रॉडकास्ट प्रभाव और दर्शकों के अनुभव को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बयान में कहा गया कि यह कदम शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को भारतीय शूटिंग के सबसे बड़े उत्सव के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा और 2026 तथा उसके बाद होने वाले प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों से मिलने वाली खेलीय गति का पूरा लाभ उठाने का अवसर देगा।

एनआरएआई का मानना है कि संशोधित कार्यक्रम से लीग को अंतरराष्ट्रीय शूटिंग कैलेंडर के साथ बेहतर तालमेल बिठाने में मदद मिलेगी। पहले प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार लीग की शुरुआत एशियन गेम्स जैसे बड़े बहु-खेल आयोजनों से पहले हो रही थी, जबकि उन खेलों में भारतीय निशानेबाजों से शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। एइची-नागोया एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच आयोजित होने हैं, ऐसे में यह लगभग तय माना जा रहा है कि शूटिंग लीग ऑफ इंडिया अब साल की अंतिम तिमाही में ही आयोजित हो सकती है। एनआरएआई के अध्यक्ष कालीकेश नारायण सिंह देव ने कहा कि हमारी प्राथमिकता अपने खिलाड़ियों को सबसे बड़ा मंच देना है।

एजी यूपी ने एजी हरियाणा को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

प्रयागराज। भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्रीय पुरुष हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन एजी पंजाब के तत्वावधान में 2 से 6 फरवरी तक सेक्टर-42 हॉकी स्टेडियम, चंडीगढ़ में किया जा रहा है। आज खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में एजी उत्तर प्रदेश की टीम ने रोमांचक संघर्ष में एजी हरियाणा को 3-2 गोल से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। मैच के 10वें मिनट में एजी यूपी के नबीन ने पेनाल्टी कॉर्नर पर शानदार ड्रैग फ्लिक के माध्यम से गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 19वें मिनट में हरियाणा की टीम ने गोल कर मैच को बराबरी पर ला दिया। एजी यूपी की ओर से इमरान खान सीनियर ने बेहतरीन फील्ड गोल

कर टीम को पुनः बढ़त दिलाई। मैच के 35वें मिनट में हरियाणा ने एक और गोल कर स्कोर फिर से बराबर कर दिया। मैच के अंतिम पलों में निर्णायक मोड़ तब आया जब नबीन ने एक बार फिर पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल दागते हुए एजी यूपी के लिए विजयी गोल किया और टीम को फाइनल में पहुंचा दिया।

यह जानकारी एजीयूपी के राजेश कुमार तिवारी ने देते हुए बताया कि इस मुकाबले में संगम सिंह, इमरान जूनियर तथा गोलकीपर अंकित मलिक का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा। पूरी टीम ने एकजुट होकर उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला 6 फरवरी को दोपहर 2 बजे एजी पंजाब की टीम के साथ खेला जाएगा।

पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में श्याम लाल कॉलेज और जेडीएम की शानदार जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। 12वें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने पुरुष वर्ग में दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए किरोड़ी मल कॉलेज को 5-0 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ श्याम लाल कॉलेज (प्रातः) ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज कर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। मेजबान टीम की ओर से नंदकिशोर ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल दागे, जबकि श्लोक, पंकज और हर्ष ने एक-एक गोल कर जीत को और प्रभावशाली बना दिया। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए नंदकिशोर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। महिला वर्ग में जानकी देवी महाविद्यालय (जेडीएम) ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज को 1-0 से हराकर महत्वपूर्ण जीत हासिल की। मुकाबले का एकमात्र गोल कोमल ने किया, जबकि प्रभावी खेल के लिए अंजलि को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

महाराष्ट्र की लड़कियों और ओडिशा के लड़कों ने सब-जूनियर राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप का खिताब जीता

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। 35वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप (लड़के एवं लड़कियां) 2025-26 में लड़कियों की श्रेणी में गत विजेता महाराष्ट्र ने राजस्थान को 27-15 से हराकर 12 अंक और एक इनिंग के अंतर से खिताब अपने नाम किया। लड़कों की श्रेणी में ओडिशा ने कोल्हापुर को 31-24 से हराकर 7 अंक और एक इनिंग के अंतर से चैंपियन बना। लड़कों की श्रेणी में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि लड़कियों की श्रेणी में पंजाब और हरियाणा ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों की श्रेणी में महाराष्ट्र की राही पाटिल को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर, राजस्थान की गुंजन को सर्वश्रेष्ठ अटैकर और महाराष्ट्र की अपर्णा वर्दे को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए आई.एल.ए अवॉर्ड से नवाजा गया। लड़कों की श्रेणी में महाराष्ट्र के वरद को सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर, कोल्हापुर के गौरव माने को सर्वश्रेष्ठ अटैकर और ओडिशा के सत्य रंजन बेहरा को सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए भारत अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस चैंपियनशिप का आयोजन हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन ने खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के तत्वावधान में किया था। राष्ट्रीय आयोजन का उद्घाटन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 31 जनवरी को किया था। चैंपियनशिप में विभिन्न राज्यों, संघ शासित प्रदेशों और तीन संबद्ध सदस्य संघों कोल्हापुर, विदर्भ और

मध्य भारत की 31 लड़कों और इतनी ही लड़कियों की टीमें शामिल हुईं। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, 'ये युवा प्रतिभाएं एक उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रही हैं। केकेएफआई उन्हें सर्वोत्तम प्रशिक्षण और सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को इस सब-जूनियर चैंपियनशिप को सफल बनाने के लिए बधाई देता हूं। ' हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव ने कहा, 'मैं विजेता टीमों के लिए 25,000 रुपये, दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों के लिए 20,000 रुपये और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों के लिए 15,000 रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा करता हूं। तीसरे स्थान पर रही हरियाणा की लड़कियों की टीम के लिए मैं 1 लाख रुपये का पुरस्कार घोषित करता हूं। ' इस अवसर पर केकेएफआई के महासचिव उपकार सिंह विरक, हरियाणा स्पोर्ट्स खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष जवाहर सिंह यादव, महासचिव महेंद्र कम्बोज, कुरुक्षेत्र खो-खो एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार सैनी, हरियाणा सरकार के खेल विभाग की उप निदेशक सुनीता खत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सब-जूनियर राष्ट्रीय खो-खो चैंपियनशिप का 34वां संस्करण 28 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2024 तक झारखंड के सिमडेगा में हुआ था, जिसमें महाराष्ट्र ने लड़कों और लड़कियों दोनों श्रेणियों में खिताब जीता था।

सरकारी लेन-देन की सुविधा वाले बैंक 31 मार्च को खुले रहेंगे

एजेंसी

मुंबई। सरकारी लेन-देन की सुविधा वाले सभी बैंक 31 मार्च को महावीर जयंती के मौके पर खुले रहेंगे। रिजर्व बैंक ने बताया कि इसके लिए केंद्र सरकार की ओर से अनुरोध किया गया था ताकि वित्त वर्ष 2025-26 के आखिरी दिन 31 मार्च को बैंक खुले रखकर प्राप्ति और भुगतान संबंधी सभी लेन-देन को उसी दिन अंजाम दिया जा सके। केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों को इसके बारे में सूचना का ज्यादा से ज्यादा प्रसार करने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि 31 मार्च को महावीर जयंती है। उस दिन कई राज्यों में सार्वजनिक अवकाश है। दरअसर मार्च में 11 ऐसे दिन हैं जब किसी न किसी राज्य में बैंकों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा, हालांकि किसी भी एक राज्य में पांच दिन से ज्यादा का सार्वजनिक अवकाश नहीं है।

रुपया 15 पैसे टूटा

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 15 पैसे कमजोर हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 90.47 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा मंगलवार को 117.50 पैसे की जबरदस्त बढ़त के साथ 90.32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ थी। रुपया आज तीन पैसे टूटकर 90.35 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में यह ऊपर 90.27 रुपये और नीचे 90.54 रुपये प्रति डॉलर तक गया। पिछले कारोबारी दिवस की बड़ी तेजी के बाद आज कम कीमत पर डॉलर की खरीद बढ़ने से भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में पैसा लगाने से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत में रही तेजी और दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर सूचकांक की मजबूती ने भी रुपये पर दबाव बनाया।

भारत अगले दो-तीन दशकों में 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा-मुकेश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश डी अंबानी ने कहा कि भारत अगले 20-30 वर्षों में 25 से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की क्षमता रखता है और यह दौर देश की युवा पीढ़ी के लिए निवेश का एक बहुत बड़ा अवसर होगा। मुंबई में आयोजित जियो-ब्लैकरॉक कार्यक्रम 'इन्वेस्टिंग फॉर ए न्यू एरा' में ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक के साथ फायरसाइड चैट के दौरान अंबानी ने भारत की विकास यात्रा का स्पष्ट खाका पेश किया। जियोब्लैकरॉक इवेंट में मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत पारंपरिक रूप से बचत का देश रहा है, लेकिन अब समय है कि देश के आगे बढ़ने का फायदा निवेश करके उठाया जाए। बचत को निवेश में बदला जाए। सेविंग्स का पैसा यदि कैपिटल मार्केट्स में निवेश हो, तो इससे न केवल परिवारों की संपत्ति बढ़ेगी बल्कि देश की आर्थिक वृद्धि को भी गति मिलेगी। लैरी फिंक ने भी इस विचार का समर्थन करते हुए कहा कि लॉन्ग-टर्म इक्विटी निवेश भारत जैसे तेजी से बढ़ते देश में संपत्ति सृजन का सबसे प्रभावी जरिया बन सकता है। अंबानी ने कहा कि भारत के विकास की जड़ें मजबूत नीतियों, राजनीतिक स्थिरता, बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण और डिजिटल क्रांति से जुड़ी हैं। 5त्र, डिजिटल इंडिया और कैपिटल मार्केट्स के विस्तार से भारत दीर्घकालिक निवेश के लिए आकर्षक केंद्र बन गया है।

चावल, गेहूं महंगा; चीनी सस्ती; दालों, खाद्य तेलों में घटबढ़

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में चावल के औसत भाव बढ़ गये। चावल के साथ गेहूं भी महंगा हुआ जबकि चीनी में नरमी रही। वहीं, दालों और खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 16 रुपये बढ़कर 3,866 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं भी 16 रुपये मजबूत हुआ और 2,875 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी चार रुपये महंगा हुआ। दाल-दलहनों में घटबढ़ रही। उड़द दाल की औसत कीमत 22 रुपये और तुअर दाल की 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। मसूर दाल में 43 रुपये की गिरावट रही। मूंग दाल 22 रुपये और चना दाल 13 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा सात रिंगिट चढ़कर 4,222 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.11 प्रतिशत की तेजी में 54.55 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 46 रुपये और सूरजमुखी तेल 37 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। पाम ऑयल की कीमत 33 रुपये और वनस्पति की तीन रुपये बढ़ी। वहीं, सरसों तेल में सात रुपये और सोया तेल में पांच रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

सेवा क्षेत्र की रफ्तार जनवरी में और बढ़ी

मुंबई। नये ऑर्डर और उत्पादन में तेजी से इस साल जनवरी में सेवा क्षेत्र की रफ्तार और तेज हो गयी तथा इसका एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई कोरोबारी गतिविधि सूचकांक 58.8 पर पहुंच गया। पिछले साल दिसंबर में सूचकांक 58 पर रहा था। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना वृद्धि को और इससे नीचे रहना गिरावट को दर्शाता है जबकि 50 का स्तर स्थिरता का द्योतक है। भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने जारी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह आंकड़ा सेवा क्षेत्र की सतत गति को दर्शाता है। नये ऑर्डरों में स्थिर वृद्धि के दम पर उत्पादन मजबूत बना हुआ है। दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया समेत विदेशों से मांग में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि कारोबारी विश्वास तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। लागत और उत्पाद मूल्य बढ़ रहे हैं।

एनपीजी ने सड़क,परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 7 परियोजनाओं की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली । नेटवर्क योजना समूह (एनपीजी) की 108वीं बैठक उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) में आयोजित की गई। इस बैठक में एनपीजी ने सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 7 परियोजनाओं की समीक्षा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि डीपीआईआईटी में एनपीजी की 108वीं बैठक आयोजित की गई। जिसका उद्देश्य अवसंरचना परियोजनाओं का मूल्यांकन करना था। बैठक में विशेष रूप से प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (पीएमजीएस एनएमपी) के अनुरूप बहुआयामी कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने और लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार पर जोर दिया गया। मंत्रालय के मुताबिक एनपीजी ने बैठक में एकीकृत बहुआयामी अवसंरचना, आर्थिक और सामाजिक केंद्रों तक

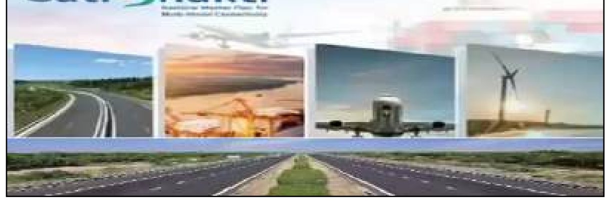

अंतिम-मील कनेक्टिविटी और 'संपूर्ण सरकारी' दृष्टिकोण के प्रधानमंत्री गतिशक्ति सिद्धांतों के अनुरूप 7 सड़क परियोजनाओं का गहन विश्लेषण किया। एनपीजी की इन पहलों से लॉजिस्टिक्स दक्षता में वृद्धि, यात्रा समय में कमी और परियोजना के प्रभाव क्षेत्र में महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच):- तमिलनाडु में सलेम-कुमारपालयम खंड पर एनएच-544 के छह लेन का निर्माण- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने तमिलनाडु के सलेम-कुमारपालयम खंड पर एनएच-544 के छह लेन वाली सड़क निर्माण परियोजना का प्रस्ताव रखा है। इस परियोजना के तहत सलेम से कुमारपालयम तक 102.035 किलोमीटर लंबा छह लेन वाला कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जो कोच्चि-कोयंबटूर-बेंगलुरु के अत्यधिक व्यस्त मार्ग पर स्थित है। अमरावती आउटर रिंग रोड का निर्माण (आंध्र प्रदेश):- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने आंध्र प्रदेश में 189.93 किलोमीटर लंबी अमरावती आउटर रिंग रोड (ओआरआर) विकसित करने की योजना बनाई है। यह एक ग्रीनफील्ड परियोजना है, जिसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में यातायात का दबाव कम करना और विजयवाड़ा, गुंटूर, तेनाली समेत अमरावती राजधानी क्षेत्र में क्षेत्रीय संपर्क को सशक्त बनाना है।

स्टॉक मार्केट में एक्रेशन न्यूट्रावेद की शानदार शुरुआत, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। आयुर्वेदिक और न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद बनाने वाली कंपनी ऐक्रेशन न्यूट्रावेद के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार उछाल के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 129 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 48.06 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 191 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का जोर बन जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 200.55 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 55.43 प्रतिशत का फायदा हो गया। ऐक्रेशन न्यूट्रावेद का 25 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्?यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.08 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.19 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 19.20 लाख रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मैन्युफैक्चरिंग मशीनरी खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्द्देश्यों में करेगी।

भारत ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। विनिर्माण और लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन देने के लिए भारत ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र (बीसीआईसी) में शामिल हुआ। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की तरफ से यह जानकारी दी गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बयान में कहा कि उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की ओर से नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में आयोजित कार्यक्रम में भारत ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र (बीसीआईसी) में शामिल हुआ। इस अवसर पर डीपीआईआईटी के आर्थिक सलाहकार अग्रिम कौशल और यूएनआईडीओ निदेशक डॉ. क्रिस्टियानो पासिनी ने एक ट्रस्ट फंड समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत बीसीआईसी ढांचे में भारत की भागीदारी को औपचारिक रूप दिया गया। मंत्रालय के मुताबिक भारत में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद (एनपीसी) को ब्रिक्स औद्योगिक दक्षताओं के केंद्र के रूप में नामित किया गया है। एनपीसी डीपीआईआईटी के नीतिगत मार्गदर्शन और यूएनआईडीओ के तकनीकी सहयोग से ब्रिक्स औद्योगिक दक्षताओं के साथ भारत की सहभागिता का नेतृत्व करेगा और क्षमता निर्माण, उत्पादकता वृद्धि और उन्नत विनिर्माण पद्धतियों को अपनाने में योगदान

देगा।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने की और इसमें एनपीसी की महानिदेशक नीरजा शेखर के साथ-साथ डीपीआईआईटी, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, यूएनआईडीओ तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफआईसीसीआई) के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूएनआईडीओ) के साथ साझेदारी में ब्रिक्स देशों में विनिर्माण कंपनियों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को एकीकृत सहायता सेवाएं प्रदान करने वाले केंद्र के रूप में कार्य करता है, जिसका मुख्य उद्देश्य उद्योग 4.0 की दक्षताओं को मजबूत करना है।

ट्रेंट को तीसरी तिमाही में 531 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

मुंबई। टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में समेकित आधार पर 531 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो सालाना आधार पर सात प्रतिशत अधिक है।

कंपनी के निदेशक मंडल की यहां हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी। तिमाही के दौरान कंपनी का राजस्व 15 प्रतिशत बढ़कर 5,345 करोड़ रुपये हो गया। उसका परिचालन राजस्व 837 करोड़ रुपये रहा।

ट्रेंट की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि तीसरी तिमाही में उसने वेस्टसाइड के 17 और जुडियो के 48 (एक संयुक्त अरब अमीरात में) नये स्टोर खोले। इसके साथ ही वेस्टसाइड के 278, जुडियो के 854 और अन्य लाइफस्टाइल

TRENT LIMITED
A TATA Enterprise

उत्पादों के 32 स्टोर हो गये हैं। कुल 274 शहरों में उसकी मौजूदगी है और उसके फैशन ब्रांड के पास स्टोरों में कुल 1.5 करोड़ वर्ग फुट की जगह है। ट्रेंट लिमिटेड के अध्यक्ष नोएल टाटा ने परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ग्राहक धारणा में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है और मध्यम अवधि के लिए कंपनी का कारोबारी परिदृश्य सकारात्मक है। कंपनी फिलहाल पोर्टफोलियो बढ़ाने, उत्पादों में वृद्धि और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने पर अपना फोकस जारी रखेगी।

एनटीएच ने एसटीक्यूसी-ईआरटीएल (नॉर्थ) के साथ किया सहयोग समझौता

● इस समझौते से भारत के ड्रोन टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन इकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (एनटीएच) ने इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के अंतर्गत मानकीकरण परीक्षण एवं गुणवत्ता प्रमाणन निदेशालय (एसटीक्यूसी) निदेशालय-इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रीय परीक्षण प्रयोगशाला (उत्तर) ईआरटीएल (उत्तर) के साथ सहयोग समझौता किया है।

उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस नई साझेदारी से भारत का ड्रोन प्रमाणन तंत्र को मजबूती मिलेगी, जबकि नए सहयोग से सुरक्षा, सामर्थ्य और वैश्विक स्वीकृति को बढ़ावा मिलेगा। इससे ड्रोनों का विद्युतचुंबकीय व्यतिकरण (ईएमआई) और

विद्युतचुंबकीय संगतता (ईएमसी) परीक्षण संभव हो सकेगा जिससे भारत के ड्रोन परीक्षण एवं प्रमाणन ढांचे को मजबूती मिलेगी। मंत्रालय के मुताकिबक यह सहयोग ड्रोन नियम, 2021 और मानवरहित विमान प्रणालियों के लिए प्रमाणन योजना (सीएसयूएएस), 2022 के तहत एक महत्वपूर्ण नियामक जरूरत को पूरा करता है। साथ ही यह भारत की सुरक्षित, विश्वसनीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करने वाली मानवरहित विमान प्रणालियों (यूएएस) को प्रमाणित करने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक एनटीएच ने केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया', ' आत्मनिर्भर भारत' और ' विजन 2047' के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए भारत को सुरक्षित, विश्वसनीय और प्रमाणित ड्रोन प्रौद्योगिकियों के लिए विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

उल्लेखनीय है कि एनटीएच भारत सरकार का एक प्रमुख वैज्ञानिक एवं परीक्षण संस्थान है। इसकी स्थापना 1912 में हुई थी। यह उपभोक्ता मामलों के विभाग, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कार्यरत है। एनएबीएल से मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के साथ राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र विभिन्न क्षेत्रों में परीक्षण, निरीक्षण, गुणवत्ता आश्वासन और प्रमाणन सेवाएं प्रदान करता है।

एमसेफ इक्विपमेंट्स की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। सेफ्टी इक्वीपमेंट्स बनाने वाली कंपनी एमसेफ इक्विपमेंट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 123 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 17.07 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 144 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर टूट 136.80 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में लोअर सर्किट लगने के बावजूद कंपनी के आईपीओ निवेशक 11.22 प्रतिशत के फायदे में हैं। एमसेफ इक्विपमेंट्स का 66 करोड़ रुपये का आईपीओ 28 से 30 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 166.72 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्?यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 117.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 308.23 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 133.16 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 54 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा दस लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्द्देश्यों में करेगी।

एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 में दर्ज किया अबतक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) ने वित्त वर्ष 2025-26 के 9 माह में मात्रा और वित्तीय दोनों क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। एनएमडीसी ने जनवरी में 5.56 मिलियन टन लौह अयस्क का उत्पादन किया और 4.79 मिलियन टन की बिक्री की, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में उत्पादन में 9 फीसदी और बिक्री में 7 फीसदी की मजबूती है। इस्पात मंत्रालय ने बताया कि जनवरी तक कंपनी का उत्पादन बढ़कर 42.65 मिलियन टन हो गया, जो 19 फीसदी की सर्वोच?च वृद्धि है, जबकि बिक्री बढ़कर 39.73 मिलियन टन हो गई, जो वार्षिक आधार पर 9.7 फीसदी की वृद्धि है। एनएमडीसी ने स्थापना के बाद से

NMDC

वित्त वर्ष 2025-26 के प्रथम नौ माह में शानदार प्रदर्शन किया। आंकड़ों में बताया गया कि कंपनी के राजस्व में 22 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई और यह 20,381 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि पीबीटी में 5 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 7,280 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इसके साथ ही पीएटी में 4 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 5,401 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जबकि ईबीआईटीडीए बढ़कर 7,666 करोड़ रुपये हो गया, जो 5 फीसदी की वृद्धि है। मंत्रालय के मुताबिक एनएमडीसी ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 2.50 रुपये का अंतरिम लाभांश भी घोषित किया। यह प्रदर्शन रिकॉर्ड मात्रा और निरंतर प्रचालन उत्कृष्टता के कारण ही संभव हुआ, जिससे एनएमडीसी भारत की सबसे मजबूत खनन कंपनियों में से श्रेष्ठ कंपनी के रूप में स्थापित हो गई है। इस?पात मंत्रालय ने बताया कि स्थापना के बाद से अब तक के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े हासिल करके एनएमडीसी अपने वार्षिक लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है।

जनवरी में कंपनी की प्रथम कोयला खदान, झारखंड में टोकीसुद नॉर्थ कोयला खदान का उद्घाटन भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो एनएमडीसी के इतिहास में एक और बड़ी सफलता हासिल की है।

आय फाइनेंस का आईपीओ 9 फरवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 122-129 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। आय फाइनेंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 9 फरवरी को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 11 फरवरी तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 122-129 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि 2 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा और 11 फरवरी को बंद होगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक छह फरवरी को इसके लिए बोली लगा पाएंगे। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 122-129 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयर 16 फरवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे। आय फाइनेंस लिमिटेड 1,010

करोड़ रुपये के आईपीओ में 710 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 300 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। निवेशक कम से कम 116 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 116 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आय फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ लाने का उद्देश्य भविष्य में कारोबार में वृद्धि और परिसंपत्ति खंड के विस्तार के लिए अपने पूंजी आधार को मजबूत करना है।

रिजर्व बैंक ने क्रय/विक्रय स्वैप के तहत खरीदे 10 अरब डॉलर

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ने क्रय/विक्रय स्वैप ऑक्शन के तहत वाणिज्यिक बैंकों से 10 अरब डॉलर खरीदे। केंद्रीय बैंक ने बताया कि उसने औसतन 7.5166 रुपये के प्रीमियम पर यह खरीद की है। सफलतापूर्वक बोली लगाने वाले वाणिज्यिक बैंक 06

फरवरी को रिजर्व बैंक को डॉलर देंगे। इस सौदे के दूसरे चरण के तहत तीन साल बाद 06 फरवरी 2029 को तय प्रीमियम पर रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को वापस डॉलर बेचेगा। 10 अरब डॉलर के प्रस्ताविक ऑक्शन के लिए 25.03 अरब डॉलर का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था। कटऑफ प्रीमियम 7.48 रुपये रखा गया था। केंद्रीय बैंक ने पिछले साल दिसंबर और इस साल जनवरी में भी डॉलर क्रय/विक्रय स्वैप ऑक्शन को अंजाम दिया था।

उतार-चढ़ाव के बीच बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों ने एक दिन में कमाए 1.87 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। आईटी सेक्टर में आई जबरदस्ती गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजार आज बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे पहले आधे घंटे में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गए। इसके बाद पूरे दिन बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। आज के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया। एंथ्रोपिक द्वारा नये वर्कप्लेस प्रोडक्टिविटी और ऑटोमेशन टूल्स लॉन्च करने के कारण आईटी सेक्टर में खलबली मची रही, जिसकी वजह से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 5.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में भी खरीदारी का जोर बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 469.02 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.15 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.87 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,366 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,726 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,477 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 163 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,923 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,012 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 911 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 487.07 अंक की गिरावट के साथ 83,252.06 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले आधे घंटे में ही यह सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। दोपहर एक बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे सेंसेक्स रिकवरी करके 208.40 की मजबूती के साथ 83,947.53 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 78.56 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,817.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 52.50 अंक टूट कर 25,675.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा।

बलोच लिबरेशन आर्मी का पाकिस्तानी सेना के कई शिविरों पर कब्जा

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने घमासान के दौरान स्थापित किए गए पाकिस्तान की सेना के कई शिविरों और चौकियों पर कब्जा कर लिया। इस बीच बीएलए के 31 जनवरी से शुरू ऑपरेशन हीरो के मद्देनजर प्रांत में संचार सेवाएं पूरी तरह से ठप हैं। सरकार ने रेल और बस सेवाओं को भी निलंबित कर दिया है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने आज नुश्की जिले के अहमदवाल इलाके में पाकिस्तान की सेना के शिविरों सहित कई चौकियों पर कब्जा कर लिया है। अहमदवाल नुश्की शहर से 20 किलोमीटर दूर है। इसके अलावा नुश्की से 34 किलोमीटर दूर स्थित गुलगौर में पाकिस्तान की सेना की चौकी को भी नियंत्रण में ले लिया है। बीएलए के लड़ाकों ने सेना के सभी हथियार और युद्ध सामग्री को हथिया लिया है।बीएलए ने नुश्की समेत 12 शहरों में पाकिस्तान सेना के शिविरों और चौकियों पर एक साथ हमले किए हैं। नुश्की शहर के बाहरी हिस्से में बीएलए और सेना के बीच गोलीबारी जारी है। पाकिस्तान के रेलवे विभाग ने क्वेटा से चमन तक चलने वाली घरेलू रेल सेवा को निलंबित करने की घोषणा की है। विभाग ने कहा है कि कराची से क्वेटा जाने वाली बोलन मेल सेवा 12 फरवरी तक निलंबित रहेगी।

नेपाल में चुनावी हलचल बढ़ी, सेना ने संभाला मोर्चा

काठमांडू। नेपाल में पांच मार्च को होने वाले प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के चुनाव के लिए हलचल तेज हो गई। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर आज से सेना ने भी मोर्चा संभाल लिया। नेपाली सेना के समन्वय में निष्पक्ष चुनाव के लिए चारों सुरक्षा निकायों की तैनाती की जा रही है।नेपाली सेना, नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल और राष्ट्रीय अनुसंधान विभाग को एकीकृत रूप से परिचालित किया जा रहा है। एकीकृत सुरक्षा योजना के अनुसार, चुनावी प्रयोजन के लिए भर्ती किए गए 'निर्वाचन पुलिस' को भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात किया जाएगा। नेपाल पुलिस और निर्वाचन पुलिस मतदान स्थलों की भीतरी सुरक्षा करेगी। दूसरे स्तर की सुरक्षा घेराबंदी की जिम्मेदारी सशस्त्र प्रहरी बल की होगी। यह बल नेपाली सेना और नेपाल पुलिस के साथ समन्वय में कार्य करेगा। नेपाली सेना सुरक्षा घेराबंदी के बाहरी स्तर पर रहकर महत्वपूर्ण सुरक्षा जिम्मेदारी संभालेगी। नेपाली सेना आज से सभी 165 निर्वाचन क्षेत्रों में मोर्चा संभाल लेगी राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने पिछले साल 27 नवंबर को प्रधानमंत्री की सिफारिश और मंत्रिपरिषद के निर्णय पर निर्वाचन सुरक्षा व्यवस्था के लिए नेपाली सेना की तैनाती को स्वीकृति प्रदान की थी।

नेपाल प्रतिनिधि सभा के समानुपातिक सूची में महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुष से अधिक

काठमांडू। नेपाली संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के आगामी चुनाव के लिए समानुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) प्रणाली के तहत देश के राजनीतिक दलों ने अपनी बंद सूची निर्वाचन आयोग को दे दी है, जिसमें महिला उम्मीदवारों की संख्या पुरुषों से अधिक है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विवरण के अनुसार, अंतिम पीआर बंद सूची में कुल 3,135 उम्मीदवारों को शामिल किया गया है। इनमें 1,772 महिलाएं और 1,363 पुरुष हैं। ये सूचियां 63 राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। आयोग ने प्रतिनिधि सभा निर्वाचन ऐन, 2016 की धारा 29 तथा संबंधित निर्वाचन नियमावली के नियम 16(2) के अनुरूप मंगलवार को अंतिम सूची प्रकाशित की। इस बीच, निर्वाचन आयोग ने विभिन्न कारणों से अयोग्य पाए जाने पर मूल बंद सूची से 76 उम्मीदवारों के नाम हटा दिए हैं। इनमें क्रेडिट सूचना केंद्र द्वारा ब्लैकलिस्ट में डाले गए 21 उम्मीदवार, प्रांतीय सभा के समानुपातिक निर्वाचन प्रणाली की सूची में भी शामिल 25 व्यक्ति, तथा निर्धारित जमानत राशि नहीं भरने वाले 10 उम्मीदवार शामिल हैं।

भारत ने चुनाव में मदद के लिए 223 और वाहन नेपाल भिजवाए

काठमांडू। भारत ने नेपाल में पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव के मद्देनजर वाहनों का तीसरी खेप भिजवाई है। इस खेप में 223 वाहन शामिल हैं। यह खेप भारतीय दूतावास के माध्यम से भेजी गई। भारतीय दूतावास के अनुसार, तीसरी खेप में 150 डबल कैब पिकअप महिंद्रा स्कॉर्पियो और 73 डबल कैब पिकअप महिंद्रा बोलेरो शामिल हैं। इनको नेपाल लाया जा रहा है। इससे पहले खेप में 61 वाहन लाए गए थे, जिन्हें भारतीय दूतावास ने 20 जनवरी को ही नेपाल सरकार को हस्तांतरित कर दिया था। दूसरी खेप में 190 वाहनों को 27 जनवरी को हस्तांतरित किया गया। बताया गया है कि इस बार के चुनाव में भारत छोटे-बड़े मिलाकर करीब 600 वाहन नेपाल को उपलब्ध कराएगा।

अमेरिका के साथ तनाव के बीच ईरान ने नए अंडरग्राउंड मिसाइल बेस का किया अनावरण

एजेंसी

तेहरान । अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जारी है, जिसे सुलझाने के लिए बातचीत की कवायद तेज हो रही है। इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने एक नए अंडरग्राउंड मिसाइल बेस का अनावरण किया है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ ने ईरान की सेमी-ऑफिशियल फार्स न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को ईरानी रक्षा बलों के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मौसवी और आईआरजीसी के एयरोस्पेस डिवीजन के कमांडर सईद मजीद मौसवी दौरे पर पहुंचे थे। इस के दौरे के दौरान ही मिसाइल बेस का अनावरण किया गया। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि दौरे के दौरान आईआरजीसी की मिसाइल इकाइयों की क्षमताओं और उनकी संचालन संबंधी तैयारियों का आकलन किया गया। इसके साथ ही ईरान की सुरक्षा बलों के वरिष्ठ कमांडरों को रणनीतिक इकाइयों की प्रगति और मौजूदा तैयारियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

मौसवी ने बेस पर कहा कि ईरान ने अपनी बैलिस्टिक मिसाइलों को सभी तकनीकी मामलों में अपग्रेड करके हमलों को रोकने की ताकत को मजबूत करने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा, 'देश दुश्मनों की किसी भी कार्रवाई का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 12 दिन की लड़ाई (जून 2025 में इजरायल के साथ) के बाद, ईरान ने अपनी सैन्य रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। अब सैन्य डॉक्ट्रिन को रक्षात्मक से आक्रामक रुख में बदला गया है, जो तेज गति से और व्यापक स्तर पर अभियान चलाने पर केंद्रित है। इसके साथ ही असममित युद्ध पद्धतियों और निर्णायक, कुचल देने वाली सैन्य रणनीति को अपनाया गया है। '

ईरान के पास वॉशिंगटन की मिलिट्री मौजूदगी बढ़ने की वजह से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि या तो वह अमेरिका के साथ डील करे या फिर उस पर हमला होने का खतरा हो।

काठमांडू से इस्तांबुल जा रहे विमान के इंजन में लगी आग

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से तुर्की के इस्तांबुल के लिए उड़ान भरने वाले तुर्किश एयरलाइंस के विमान के दाहिने इंजन में आग लगने की घटना सामने आई है। इसके बाद फ्लाइट को भारत के कोलकाता की ओर डायवर्ट कर दिया गया। विमानस्थल के महाप्रबंधक टेकनाथ सिटौला के अनुसार तुर्किश एयरलाइंस के विमान ने त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से बुधवार दोपहर 1:28 बजे उड़ान भरी, लेकिन उड़ान के चार मिनट के भीतर ही तुर्किश विमान के कप्तान ने दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना दी। इसके बाद चालक दल ने विमान को पश्चिम दिशा में मोड़ते हुए दाहिना इंजन बंद कर 10 से 12 मिनट तक होल्ड किया। उनके अनुसार तुर्किश एयरलाइंस का यह ए330-303 श्रृंखला का वाइड बॉडी विमान था, जिसमें कुल 225 यात्री सवार थे। दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना मिलते ही त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल को एहतियातन 15 मिनट के लिए पूरी तरह बंद कर दिया गया था।

महाप्रबंधक सिटौला ने कहा कि इसके बाद दमकल, एंबुलेंस सहित सभी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं तैयार कर विमानस्थल को बंद कर दिया गया। इस बीच तुर्किश एयरलाइंस के चालक दल ने विमान को भारत के कोलकाता की ओर डायवर्ट करने की जानकारी दी। सिटौला के अनुसार आग लगते ही दाहिने इंजन को बंद करने के बाद आग पर काबू पा लिया गया था। इसके बाद केवल बाएं इंजन के सहारे तुर्किश एयरलाइंस का विमान कोलकाता की ओर डायवर्ट किया गया। फिलहाल तुर्किश एयरलाइंस का वह विमान कोलकाता में सुरक्षित रूप से उतर चुका है। हमारा विमानस्थल भी अब सामान्य स्थिति में संचालित हो रहा है।

यूएन प्रमुख ने 'न्यू स्टार्ट' संधि के खत्म होने को अंतरराष्ट्रीय शांति, सुरक्षा के लिए 'गंभीर क्षण' बताया

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है कि अमेरिका और रूस के बीच परमाणु हथियारों को सीमित करने वाली संधि 'न्यू स्टार्ट' की अवधि खत्म होना, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर संकेत है। गुटेरेस ने कहा कि आधी सदी से भी अधिक समय में यह पहली बार है जब दुनिया ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है, जहां रूस और अमेरिका के रणनीतिक परमाणु हथियारों पर कोई कानूनी और बाध्यकारी सीमा नहीं रह जाएगी। ये दोनों देश मिलकर दुनिया के अधिकतर परमाणु हथियारों के भंडार के मालिक हैं। 'न्यू स्टार्ट' संधि रूस और अमेरिका के तैनात परमाणु हथियारों और उन्हें ले जाने वाली प्रणालियों की संख्या पर रोक लगाती थी। यह संधि गुरुवार को समाप्त हो रही है। शीत युद्ध के समय और उसके बाद के वर्षों में, इन दोनों देशों के बीच परमाणु हथियार नियंत्रण ने दुनिया को बड़े संकट से बचाए रखने में अहम भूमिका निभाई। इससे स्थिरता बनी और कई बार गलत

आकलन से होने वाली भारी तबाही को रोका जा सका। सबसे बड़ी बात यह रही कि इस प्रक्रिया के जरिए दोनों देशों ने अपने भंडार से हजारों परमाणु हथियार कम किए। गुटेरेस के अनुसार, रणनीतिक हथियार नियंत्रण से पूरी दुनिया की सुरक्षा बेहतर हुई, खासकर अमेरिका और रूस की जनता के लिए। उन्होंने कहा कि 'न्यू स्टार्ट' की समाप्ति ऐसे समय पर हो रही है, जब बीते कई दशकों में पहली बार परमाणु हथियार के इस्तेमाल का खतरा सबसे ज्यादा है। इससे खराब समय और कोई नहीं हो सकता। गुटेरेस ने कहा, 'फिर भी इस अनिश्चितता के क्षण में, हमें उम्मीद ढूंढनी चाहिए। यह रीसेट करने और तेजी से बदलते माहौल के लिए उपयुक्त हथियार नियंत्रण व्यवस्था बनाने का एक अवसर है। ' उन्होंने यह भी स्वागत किया कि दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने माना है कि परमाणु हथियारों की होड़ दुनिया को अस्थिर करती है और इसे रोकना जरूरी है। अब दुनिया रूस और अमेरिका से यह उम्मीद कर रही है कि वे सिर्फ बयान नहीं, बल्कि ठोस कदम उठाएं। गुटेरेस ने दोनों देशों से अपील की कि वे बिना देरी किए बातचीत की मेज पर लौटें और एक ऐसी नई व्यवस्था पर सहमत हों, जिसमें परमाणु हथियारों पर जांच योग्य सीमाएं हों, जोखिम कम हो और वैश्विक सुरक्षा मजबूत बने।

अमेरिका के साथ परमाणु हथियार नियंत्रण समझौता समाप्त, रूस ने दिए अगले कदम खुद तय करने के संकेत

एजेंसी

मॉस्को । रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अब रूस और अमेरिका के बीच हुए न्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी यानी न्यू स्टार्ट समझौते से जुड़ी कोई बाध्यता दोनों देशों पर नहीं रह गई है। मंत्रालय का मानना है कि समझौते की अवधि खत्म होने के बाद अब दोनों पक्ष इसके नियमों को मानने के लिए मजबूर नहीं हैं। रूस के विदेश मंत्रालय ने बताया कि परमाणु हथियारों की तय सीमा को समझौते की समाप्ति के बाद भी स्वेच्छा से बनाए रखने के रूस के प्रस्ताव पर अमेरिका की तरफ से अभी तक कोई औपचारिक और साफ जवाब नहीं मिला है। यह समझौता 5 फरवरी को खत्म हो चुका है। मंत्रालय ने कहा कि मौजूदा हालात में रूस यह मानता है कि न्यू स्टार्ट समझौते से जुड़े सभी पक्ष अब इस समझौते की शर्तों और आपसी घोषणाओं से मुक्त हो चुके हैं। इसमें समझौते के मुख्य नियम भी शामिल हैं। अब दोनों देश अपने अगले कदम खुद तय करने के लिए स्वतंत्र हैं। रूस ने यह भी कहा कि यदि उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को किसी

नए खतरे का सामना करना पड़ा, तो वह उससे निपटने के लिए कड़े सैन्य और तकनीकी कदम उठाने के लिए तैयार है। समाचार एंजेसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि मंत्रालय ने यह भी साफ किया कि अगर सही हालात बनते हैं, तो रूस रणनीतिक स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक बातचीत के लिए भी तैयार है। न्यू स्टार्ट समझौता रूस और अमेरिका के बीच वर्ष 2010 में हुआ था। इसका उद्देश्य दोनों देशों के परमाणु हथियारों और उन्हें ले जाने वाले साधनों की संख्या को सीमित करना था। यह समझौता 5 फरवरी 2011 से लागू हुआ था। पहले इसकी अवधि 10 साल की थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 5 फरवरी 2026 तक कर दिया गया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सितंबर 2025 में कहा था कि अगर अमेरिका ऐसे कदम नहीं उठाता जिससे रणनीतिक संतुलन बिगड़े, तो रूस समझौते की मूल सीमाओं का पालन समाप्ति के बाद ी एक साल तक करता रहेगा।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में कहा था कि उन्हें इस समझौते के खत्म होने की ज्यादा चिंता नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि दोनों देश किसी नए समझौते पर पहुंच सकते हैं।

अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय गिरोह से जुड़े 200 से अधिक अवैध ऑनलाइन फार्मेसी डोमेन जब्त किए

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका ने ऑनलाइन फार्मेसियों से जुड़े भारत-आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक संगठन (टीसीओ) की 200 वेबसाइट के डोमेन को जब्त कर लिया है। अमेरिका के ड्रग प्रवर्तन प्रशासन (डीईए) ने यह कार्रवाई की। डीईए के अनुसार, यह संगठन अमेरिका में काम कर रहा है और कथित तौर पर कम से कम छह जानलेवा और चार ओवरडोज के मामलों के लिए जिम्मेदार था। 27 जनवरी से शुरू होकर पूरे अमेरिका में डीईए अधिकारियों ने कई ऑपरेशन किए और चार लोगों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही, पांच तत्काल निलंबन आदेश और एक कारण बताओ नोटिस जारी किए। अमेरिकी ड्रग प्रवर्तन प्रशासन ने कहा कि ये दोनों प्रशासनिक कार्रवाई हैं, जो डीईए रजिस्टर्ड लोगों के खिलाफ सार्वजनिक स्वास्थ्य या सुरक्षा के खतरों से जनता की रक्षा के लिए की जाती हैं। ये कार्रवाई प्रशासन की ओर से 200 से ज्यादा ऑनलाइन फार्मेसियों को बंद करने के अलावा थीं, जिन पर बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के सैकड़ों-हजारों डायवर्टेड फार्मास्यूटिकल्स और नकली गोलियों के ऑर्डर भरने का आरोप था।

नियंत्रित पदार्थ अधिनियम (सीएसए) के तहत, डीईए फार्मेसियों की हिरासत में नियंत्रित पदार्थ की हैंडलिंग, भंडारण और वितरण को विनियमित करता है। सीएसए में यह शर्त है कि फार्मेसियों को केवल वैध प्रिस्क्रिप्शन मिलने पर ही कंट्रोल्ड सब्सटेंस देने की अनुमति है, जो एक व्यक्तिगत प्रैक्टिशनर की ओर से अपने सामान्य पेशेवर अभ्यास के दौरान एक वैध चिकित्सा उद्देश्य के लिए जारी किया गया हो।

डीईए के अनुसार, जांच में पाया गया कि इन ऑनलाइन फार्मेसियों के ऑपरेटर और उनके सह-साजिशकर्ता बिना वैध प्रिस्क्रिप्शन के, पूरे अमेरिका में ग्राहकों को अवैध रूप से डायवर्टेड दवाएं बेच रहे थे और भेज रहे थे, जो सीएसए का उल्लंघन था और मरीजों को सुरक्षित रखने के लिए बनाए गए डिस्ट्रीब्यूशन के एक बंद सिस्टम में खतरनाक तरीके से घुसपैठ कर रहे थे।

इस जांच के दौरान डीईए ने हजारों ऐसे ग्राहकों की पहचान की, जिन्होंने इन ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से दवाएं खरीदी थीं। इसके बाद डीईए ने इस चल रही जांच के समर्थन में जानकारी मांगने के लिए जनता को 20 हजार से अधिक पत्र भेजे हैं। ड्रग प्रवर्तन प्रशासन ने एक बयान में कहा कि अवैध ऑनलाइन फार्मेसियां ??अक्सर असली दिखने के लिए अमेरिकी-आधारित वेबसाइट पते और प्रोफेशनल दिखने वाले डिजाइन का इस्तेमाल करती हैं, जबकि असल में वे ऐसी नहीं होतीं। ये कंपनियां अवैध रूप से काम करती हैं, जानबूझकर अमेरिकी ग्राहकों को यह विश्वास दिलाकर धोखा देती हैं कि वे कानूनी रूप से सुरक्षित, विनियमित दवाएं खरीद रहे हैं। बयान में आगे कहा गया, 'ऑपरेशन मेल्टडाउन के तहत बंद की गई कई साइटों ने खुद को वैध, अमेरिका-आधारित और एफडीए-अनुमोदित होने का दावा किया था, लेकिन डीईए की जांच में पता चला कि इन साइटों के ऑपरेटर अक्सर ड्रग तस्करों के साथ मिलकर ऑनलाइन ऑर्डर को नकली गोलियों या गलत तरीके से इस्तेमाल की गई दवाओं से पूरा करते थे।

लीबिया के पूर्व तानाशाह गद्दाफी के बेटे की जिंटान में गोली मारकर हत्या

एजेंसी

त्रिपोली (लीबिया)। लीबिया के पूर्व तानाशाह 53 वर्षीय कर्नल मुअम्मर गद्दाफी के बेटे सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की जिंटान शहर में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। सैफ गद्दाफी के सलाहकार अब्दुल्ला ओथमान अब्दुर्रहीम ने मंगलवार को यह जानकारी दी, लेकिन सैफ के रिश्तेदारों ने उनकी मौत के बारे में कोई विवरण नहीं दिया। लीबिया में लगभग 42 साल तक राज करने वाले कर्नल गद्दाफी के बेटे की मौत की खबर पर पेरिस से प्रसारित समाचार चैनल फ्रांस 24 की रिपोर्ट में विस्तार से चर्चा है। फ्रांस 24 के अनुसार, चचेरे भाई की मौत से आहत हामिद गद्दाफी ने लीबियाई न्यूज नेटवर्क के चैनल अल-अहरार को बताया, सैफ अल-इस्लाम शहीद हो गए हैं। परिवार के पास इसके अलावा और कोई जानकारी नहीं है। सैफ के सलाहकार अब्दुर्रहीम ने सोशल मीडिया पोस्ट में उनकी मौत की पुष्टि की। उन्होंने अल-अहरार टीवी चैनल को बताया कि सैफ अल-इस्लाम के घर में चार अज्ञात हथियारबंद लोग घुसे। इसके बाद सर्विलांस कैमरों को बंद किया। फिर सैफ अल-इस्लाम गद्दाफी की गोली मारकर हत्या कर दी। अल-अहरार ने अपने सूत्रों से कहा कि उनकी मौत उत्तर-पश्चिमी लीबिया के जिंटान शहर में हुई। हालांकि, उनके ठिकाने के बारे में लंबे समय से किसी को पता नहीं था।सैफ अल-इस्लाम को उनके पिता का उत्तराधिकारी माना जाता था। 2021 में उन्होंने घोषणा की थी कि वह राष्ट्रपति चुनाव लड़ेंगे। इसके बाद चुनाव अनिश्चितकाल के लिए टाल दिए गए। हालांकि उनके पिता के शासन के दौरान उत्तरी अफ्रीकी देश में उनके पास कोई आधिकारिक पद नहीं था।

क्लिंटन दम्पति आखिरकार जेफरी एपस्टीन जांच में बयान देने के लिए सहमत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और उनकी पत्नी पूर्व विदेश सचिव हिलेरी क्लिंटन आखिरकार कांग्रेस की जेफरी एपस्टीन जांच में व्यक्तिगत रूप से गवाही देने के लिए अपनी सहमति दे दी है। क्लिंटन दंपति ने यह सहमति हाउस में कांग्रेस की अवमानना ??मत से बचने के लिए दी है। अभी यह साफ नहीं है कि हाउस ओवरसाइट चेयरमैन जेम्स कोमर इस आखिरी समय पर सहमति प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे या नहीं। दोनों इससे पहले महीनों तक गवाही देने से बार-बार इनकार करते रहे हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार क्लिंटन के प्रवक्ता एंजेल उरेना ने कोमर को एक चुनौती भरे 'एक्स' पोस्ट में कहा, उन्होंने सद्भावना से बातचीत की, आपने नहीं की। बावजूद इसके पूर्व राष्ट्रपति और पूर्व विदेश सचिव इस अवसर मौजूद रहेंगे। वे एक ऐसा उदाहरण स्थापित करने के लिए उत्सुक हैं, जो सभी पर लागू हो। इसके बाद कोमर ने सोमवार शाम एक बयान में कहा कि उनके अभी भी इस प्रस्ताव पर कुछ सवाल हैं। उन्होंने कहा, क्लिंटन के वकील ने कहा है कि वे शर्तों से सहमत हैं, लेकिन उन शर्तों में एक बार फिर स्पष्टता की कमी है। उन्होंने गवाही के लिए कोई तारीख नहीं बताई है। उन्होंने शर्तों से सहमत होने की बात सिर्फ इसलिए कही है, क्योंकि हाउस ने अवमानना की कार्रवाई आगे बढ़ाई है। उन्होंने कहा, मैं उन शर्तों को साफ करूंगा जिनसे वे सहमत हो रहे हैं और फिर अपनी कमेटी के सदस्यों के साथ अगले कदमों पर चर्चा करूंगा। हालांकि, ओवरसाइट कमेटी के टॉप डेमोक्रेट ने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं लग रहा कि जिसमें पैनल के चेयरमैन प्रस्ताव को स्वीकार न करें। उन्होंने कहा कि क्लिंटन ने कोमर की सारी शर्तों को स्वीकार कर लिया है। रिपब्लिकन रॉबर्ट गार्सिया ने कहा, हमने पहले दिन से ही कहा है कि हम चाहते हैं कि बिल क्लिंटन ओवरसाइट कमेटी के सामने गवाही दें। मुझे खुशी है कि वे गवाही देने जा रहे हैं। कोमर ने क्लिंटन की कानूनी टीम से कहा, जब आपके मुवक्किल को पहली बार कमेटी का समन मिला था, तब से लगभग छह महीने हो गए हैं। क्लिंटन की विशेष सुविधा पाने की लालसा निराशाजनक है और अमेरिकी लोगों की पारदर्शिता की इच्छा का अपमान है। हाउस रूल्स कमेटी की चेयरपर्सन वर्जीनिया फॉक्स ने घोषणा की कि मौजूदा हालात को देखते हुए पैनल अवमानना प्रस्तावों को आगे बढ़ाने से रुकेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर रात भर में कोई और प्रगति नहीं होती है, तो अवमानना प्रस्ताव पर फिर से विचार होगा। बताया जा रहा है कि क्लिंटन की टीम कई दिनों से इस मामले से निकलने का रास्ता ढूंढ रही थी।

पुर्तगाल में लगातार तूफानों से 11 लोगों की मौत

एजेंसी

लिस्बन। पुर्तगाल में लगातार आ रहे तूफानों ने जनवरी के अंत से अब तक 11 लोगों की जान ले ली है। ताजा घटना में 64 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह हादसा दक्षिणी पुर्तगाल के सेरपा क्षेत्र में पियास के पास अमोरेइरा बांध के नजदीक हुआ। व्यक्ति सड़क पार करने की कोशिश कर रहा था, तभी बाढ़ का तेज पानी उसकी कार को बहा ले गया। समाचार एजेंसी लूसा के मुताबिक, जिस सड़क से वह गुजर रहा था वहां पानी तेजी से भर रहा था। अचानक आई बाढ़ अपने चरम पर थी और तेज बहाव में कार बह गई। यह जानकारी राष्ट्रीय रिपब्लिकन गार्ड के एक अधिकारी के हवाले से दी गई। हाल के दिनों में पुर्तगाल लगातार कई तूफानी प्रणालियों की चपेट में रहा है। इससे देशभर में भारी नुकसान हुआ है। अब तक तूफान क्रिस्टिन सबसे ज्यादा विनाशकारी साबित हुआ है। इसके बाद तूफान लियोनार्डो ने बुधवार से देश को प्रभावित करना शुरू किया।

इससे पहले पुर्तगाल के

प्रधानमंत्री लुईस मोंटेनेग्रो ने तूफान क्रिस्टिन के बाद परिवारों और कारोबारियों की मदद के लिए 2.5 बिलियन यूरो के सहायता पैकेज की घोषणा की थी। इस तूफान में कम से कम आठ लोगों की मौत हुई थी और पूरे देश में भारी तबाही हुई थी। इसके बाद सरकार ने राष्ट्रीय आपदा की स्थिति को और आगे बढ़ाने का फैसला किया।

मंत्रिपरिषद की आपात बैठक के बाद सरकार ने यह पैकेज घोषित किया और राष्ट्रीय आपदा की स्थिति को 8 फरवरी तक बढ़ा दिया। इस पैकेज में घरों के पुनर्निर्माण के लिए सहायता, परिवारों को आय सहायता, कारोबारियों को नकदी मदद और कर व ऋण भुगतान में राहत शामिल है।

बीमा रहित मुख्य घरों, कृषि और वानिकी कार्यों के लिए सीधे अनुदान दिए जाएंगे, जिनकी राशि अधिकतम 10 हजार यूरो तक हो सकती है। जिन परिवारों को आय का नुकसान हुआ है, उन्हें प्रति व्यक्ति 537 यूरो तक की मदद मिलेगी। एक परिवार को अधिकतम 10,075 यूरो तक सहायता दी जा सकेगी।

अमेरिका में फेडरल जूरी ने भारतीय युवक को फ्लाइट में यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी ठहराया, सात मई को सुनाई जाएगी सजा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में एक फेडरल जूरी ने भारतीय युवक को फ्लाइट में एक महिला के साथ किए गए यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी ठहराया है। इस युवक को सात मई को सजा सुनाई जाएगी। अमेरिकी कानून के अनुसार दोषी को दो साल तक की सजा हो सकती है। आरोप यह भी है कि दोषी अमेरिका में बिना वैध नागरिकता के रह रहा है। यूएस अटॉर्नी ऑफिस की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वर्जीनिया के एलेक्जेंड्रिया में 29 जनवरी को फेडरल जूरी ने भारतीय नागरिक 38 वर्षीय वरुण अरोड़ा फ्लाइट में यौन उत्पीड़न और हमले के आरोप में दोषी ठहराया। कोर्ट रिकॉर्ड और ट्रायल में पेश किए गए सबूतों के अनुसार, 29 अगस्त, 2024 को रोड आइलैंड टीएफ ग्रीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रोनाल्ड रीगन वाशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट जाने वाली फ्लाइट में लैंडिंग के समय एक महिला यात्री की नींद खुली। उन्होंने देखा कि वरुण अरोड़ा उसे गलत तरीके से छू रहा है। अरोड़ा ने स्लीप मास्क पहना हुआ था और सोने का नाटक कर रहा था। वह पीड़ित के बार-बार हाथ हटाने के बावजूद हरकत करता रहा। विज्ञप्ति के अनुसार, अरोड़ा अमेरिका में बिना वैध नागरिकता (कानूनी स्टेटस) के रह रहा है। सात मई को सजा सुनाए जाने पर उसे दो साल तक की जेल हो सकती है।

रूसी तेल को लेकर ट्रंप के दावे पर क्रेमलिन प्रवक्ता बोले- 'कुछ भी नया नहीं है, भारत ऊर्जा जरूरतों के लिए आजाद है'

एजेंसी

मॉस्को । हाल ही में भारत और रूस के बीच हुए व्यापार समझौते के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। हालांकि, रूस ने इस दावे को खारिज कर दिया है। रूस ने कहा कि भारत किसी भी सप्लायर से क्रूड खरीदने के लिए आजाद है और एनर्जी सोर्सिंग पर उसके फैसलों में कुछ भी अजीब नहीं है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि भारत पहले से कई देशों से तेल खरीदता रहा है और रूस उसका अकेला क्रूड सप्लायर नहीं है। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि भारत ने व्यापार समझौते के तहत रूसी तेल की खरीद बंद करने का वादा किया है। पेसकोव ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा, 'हम, बाकी सभी अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा विशेषज्ञों के साथ, अच्छी तरह जानते हैं कि रूस भारत को तेल और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स का अकेला सप्लायर नहीं है। भारत ने हमेशा ये प्रोडक्ट्स दूसरे देशों से खरीदे हैं। इसलिए, हमें यहां कुछ भी नया नहीं दिख रहा है। ' पेसकोव ने यह भी बताया कि

रूस को भारत से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है जिससे पता चले कि वह रूसी तेल खरीदना बंद करने की योजना बना रहा है। बता दें, भारत का रूस से तेल खरीदना पूरी तरह से बंद होने को लेकर चर्चा ट्रंप के बयान के बाद शुरू हुई है। ट्रंप ने समझौते को लेकर यह भी दावा किया कि भारत एक बड़े व्यापार समझौते के तहत भारतीय सामान पर अमेरिकी टैरिफ में कमी के बदले में रूसी तेल की खरीद बंद करने पर सहमत हो गया है। इससे ड्यूटी घटकर 18 फीसदी हो जाएगी। रूस के विदेश मंत्रालय ने भारत के साथ हाइड्रोकार्बन व्यापार के आपसी फायदों पर जोर देते हुए कहा कि तेल सप्लाई में सहयोग दोनों देशों के लिए फायदेमंद है और इससे अंतरराष्ट्रीय एनर्जी मार्केट में स्थिरता आती है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि रूस भारत के साथ करीबी ऊर्जा सहयोग जारी रखने के लिए तैयार है। भारतीय रिफाइनर क्रूड ग्रेड और ब्लेंडिंग जरूरतों में अंतर के कारण रूसी क्रूड का आयात बंद नहीं कर सकते हैं, और अमेरिका ऑयल जैसे दूसरे संसाधनों के रूसी सोर्स से सप्लाई किए गए वॉल्यूम को तुरंत कवर नहीं कर सकते हैं। बता दें, रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, जिसके बाद 2022 में पश्चिमी देशों ने उसके ऊपर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद ही भारत रूसी तेल का सबसे बड़ा आयातक रहा है और 2025 में भारत के कुल क्रूड आयात में रूसी क्रूड का हिस्सा लगभग एक-तिहाई था। हालांकि, ग्लोबल एनर्जी मार्केट और ट्रेड बातचीत में बदलाव के बीच हाल के महीनों में रूस से भारतीय आयात में कमी आई है।

पेसकोव ने दोहराया कि भारत की ऊर्जा नीति एक स्वतंत्र फैसला है और भारत के साथ रूस की रणनीतिक साझेदारी जरूरी बनी हुई है, जिससे पता चलता है कि तेल खरीदने में कोई भी बदलाव बाहरी दबाव के बजाय भारत की ऊर्जा सुरक्षा और कमर्शियल बातों से निर्देशित होगा।

page 1 and 8 Feb 6_page 1 Mar 25 final ds.qxd 2/6/2026 12:22 AM Page 2

अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान

भारत जैसे कृषि प्रधान देश की अर्थव्यवस्था में पशुधन एवं पशुपालन का महत्वपूर्ण स्थान है।

बकरी-पालन हमारे देश का काफी बहुत पुराना व्यवसाय है। बात चाहे दुध की हो या मांस की, हमारे देश के गरीब किसान के लिए बकरी से बेहतर कोई दूसरा जानवर नहीं है। बड़े पशुओं जैंसे गाय, भैंस आदि की शारीरिक जरूरत और रखरखाव काफी महंगी पड़ती है, ऐसी स्थिती में छोटे व गरीब किसानों के लिए बकरी-पालन काफी सरल एवं लाभप्रद व्यवसाय है। बकरी के इन्हीं गुणों के कारण इसें '' गरीब की गाय'' कहा जाता है। भारत में सभी प्रकार की कठिन परिस्थितियों एवं उचित आहार के अभाव में भी बकरियों में उत्पादन करने की विलक्षण क्षमता होती है। बकरी को घर के छोटे बच्चे व खाली सदस्य आराम से सार्वजनिक चरागाहों, अन्य भूमी पर चराकर पाल सकते है, जिससें इसके पालन पर होने वाले खर्च को कम किया जा सकता है।

बकरी-पालन मुख्य रूप से दुग्ध, मांस और रेशो के लिए किया जाता है। हमारे देश में उपस्थित देसी नस्ल की बकरियों की उत्पादन क्षमता निचले स्तर की है परन्तु इसमें उच्च एवं निम्न तापक्रमों को सहने, रोगो से लडने एवं निम्न स्तर के रखरखाव पर भी सहज उत्पादन की अद्वितीय क्षमता होती है। बड़े पैमाने पर मांस हेतु वध करने के बाद भी प्रतिवर्ष बकरियों की संख्या में 3-4 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हो जाती है जो इनकी उच्च प्रजन्न क्षमता का द्योतक है।

हर साल एक बकरी से लगभग 500 रूपए की परोक्ष आय दुध से प्राप्त की जा सकती है। बकरियों के नर बच्चे मांस उत्पादन हेतु काम में लाए जाते है। छः माह की उम्र पर एक स्वस्थ बच्चे से 500-600 रूपए का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। दुध, मांस व रेशे के अतिरिक्त किसान फसल कट जाने के उपरान्त बकरियों के रेवड को अपने खेतों में रखते है ताकि खेत में बकरी की मैंगनी व मुत्र जैविक खाद के रूप में मिल जाते है। रेवड को अपने खेतों में रखने के लिए किसान बकरी पालक को 25-50 रूपए प्रति रात्रि के हिसाब से देता है। समाज का पिछडा वर्ग जिनके पास भूमि नहीं के बराबर है। बकरी पालन को अपनाकर अपनी माली हालत को काफी हद तक सुधार सकता है क्योंकि बकरी-पालन से निम्न फायदे हैं।

1. बकरी दुध एवं मांस के लिए उपयुक्त स्त्रोत है।

2. चमड़े व बालों से अतिरिक्त आय प्राप्त होती है।

3. इसकी खाद मुत्र से खेत की उर्वरा शक्ति बढती है।

4. कम आयु में ही इससे दुध उपलब्ध होता है।

5. इसका मांस अन्य पशुओं के मांस की तुलना में अधिक पसंद किया जाता है।

6. एक बार में एक से अधिक बच्चे दे सकती है।

7. किसी विशेष आवास की जरूरत नही होती है।

8. सालभर रोजगार प्रदान करती है।

9. बहुत कम खर्चे में पाली जाती है।

10. आवास हेतु कम स्थान घेरती है।

11. विपरित परिस्थितियों में पाली जा सकती है। 12. बकरी का दुध अन्य पशुओं की तुलना में मानव दुध के काफी नजदीक है। पशुपालन में पशुओं की अपेक्षा ग्रामीण महिलाओं का योगदान काफी अधिक है। कम पूंजी विनियोजन के नाते आर्थिक रूप से पिछडी एवं भूमि विहिन वर्ग की महिलाओं के लिए बकरी पालन एक वरदान बन सकता है। बड़े पशुओं की तुलना में बकरी को आसानी से पाला जा सकता है। एक महिला एक झुण्ड का आसानी से देखभाल कर सकती है। बकरी पालन से आर्थिक लाभ के साथ-साथ घर में उपलब्ध अतिरिक्त श्रम का भी उपयोग होता है तथा साथ ही बकरी के दुध एवं मांस से ग्रामीण महिलाओं के पोषण स्तर में भी अपेक्षित सुधार होगा। जिससे कुपोषण की समस्या नहीं रहेगी जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत से बीमारियों का कारण है। सूखा एवं अकालग्रस्त क्षेत्रों में महिलाएं इन्हे बूरे दिनों का बीमा मानती है। बहुत सी विवाहित महिलाओं को बकरीयां अपनी मां से दहेज के रूप में मिलती है। अपने परिवार को पालने में, बच्चों की देखभाल में और शादी-ब्याह का खर्च निकालने में महिलाएं बकरी पालन से हुई आमदनी का उपयोग करती है। ग्रामीण महिलाएं बकरी पालन व्यवसाय के लिए सरकार द्वारा प्रदत कम ब्याज पर ऋण प्राप्त कर सकती है, जो कि ब्लॉक स्तर पर संचालित योजनाओं के तहत दिए जाते है। कुल मिलाकर गरीबी से लड़ने के लिए बकरी पालन एक अच्छा साधन बनाया जा सकता है। प्रोटीन व दुध की कमी को पूरा करने का सबसे अच्छा व सस्ता रास्ता बकरी पालन है। बकरी के दुध की प्रोटीन की मात्रा मानव दुध के प्रोटीन से मिलती जुलती है तथा यह मानव बच्चे के लिए उत्तम दुध है। बहुत से लोग, जिन्हे गाय व भैंस के दुध से एलर्जी होती है या पेट में छाले/अल्सर होते हो, उनके लिए बकरी का दुध बहुत लाभदायक है। हमारे देश के मासांहारी लोग बकरी के मांस को अन्य जानवरो के मांस से ज्यादा पसंद करते है क्योंकि बकरी के मांस में प्रोटीन की मात्रा अधिक व वसा की मात्रा कम होती है, जो कि संतुलित आहार की नजर से अच्छा है। बकरी प्रतिदिन 1 से 2 लीटर दुध देती है, जिससे एक परिवार के दुध की आवश्यकता को पूरा किया जा सकता है तथा अतिरिक्त दुध को बेचकर आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है। बकरी को इतने दुध के लिए ज्यादा दाना-पानी की जरूरत नही होती है। घर या आसपास मौजुद चारा व दुसरी चीजें खिलाकर भी आसानी से बकरी पालकर दैनिक जरूरतों को पुरा किया जा सकता है। प्राचीनकाल से ही बकरी का दुध मानव दुध के उपरान्त दूसरे स्थान पर प्रतिस्थापित होकर नवजात बच्चों के स्वास्थय के लिए अति उत्तम माना जाता रहा है। यहां तक कि वृद्धों के लिए भी बकरी का दुध अति पौष्टिक, शीघ्र पचने वाला एवं लाभकारी होता है। अतः बकरी को मनुष्य की सौतेली मां की संज्ञा दी जाती है।मरूस्थलीकरण और बकरी बकरियों के प्रति यह एक गलत धारणा है कि बकरी अक्सर सारी हरियाली चर जाती है जिससे मरूस्थलीकरण को बढावा मिलता है। अध्ययनों से पता चलता है कि यह एक गलत धारणा है, प्रायः यह समस्या गाय एवं भेडों ने ज्यादा पैदा की है। क्योकी गाय एवं भेड़े इतनी गहराई में चराई करती है कि मिट्टी भी निकल जाती है और मिट्टी कटाव के प्रभाव में आ जाती है। बकरी आमतौर से सिर ऊंचा उठाकर पेड़, झाडियों आदि ही के पत्तें बडे चाव से खाती है। बकरी स्वभाव से ही चयनित आहार ही खाती है तथा उनको पेडों के ऊपर अगले पैर रखकर खाना अच्छा लगता है। बकरियां दिनभर घुम-घुमकर खाती रहती है तथा उनसे सतह पर उभरी हरियाली को कोई नुकसान नही होता, इसके विपरित गाय तथा भेंड़े हमेशा नीचे की ओर सिर करके एक ओर से चारा चरती रहती है।

आम धारणा के विपरित बकरियां पूरी जमीन में खाद फैलाती हुई उसको उपजाऊ बनाती है एवं लवणीय मृदा में पौधो की लवणयुक्त पत्तियों को खाकर लवणता घटाती है। घास, झाडियों और पेड़ो के बीजों को दुर-दुर तक फैलाने में भी बकरियां मदद करती है। सच तो ये है कि रेगिस्तानी वृक्षों की फलियों को खाकर बकरियां उनके ऊपर खोलन पचा लेती है और बीजों कां अंकुरण में मदद करती है। बकरी की मैंगनी बीजों के लिए उर्वरक कैप्सूल का कार्य करती है। जिससें बीजों को अंकुरित होते समय पर्याप्त खाद मिल जाती है। इस तरह पर्यावरण को बिगाड़ने के भय से मुक्त होकर रेगिस्तान में बकरियां पाली जा सकती है। दुध और मांस के उपरान्त बकरी का चमड़ा भी काफी महत्वपूर्ण है। इससे जैकेट, कोट, पर्स, जूते, दस्ताने, पेटियां तथा घर की सजावटी चीजें बनाकर बेचने से अधिक लाभ कमाया जा सकता है। बकरी की खाल अन्य खालो की अपेक्षा अच्छी समझी जाती है।बकरियों से बाल तथा रेशा प्राप्त होते है। जिनसे विभिन्न प्रकार के नमदें, ऊनी वस्त्र बनाए जाते है। प्रत्येक बकरी से सालभर में लगभग दो क्विंटल खाद प्राप्त होती है। बकरी के उपरोक्त उपयोगिता को देखते हुए बकरी उत्पादन से

संबंधित लघु उद्योग स्थापित किए जा सकते है। जैसे- दुग्ध उद्योग, मांस और चमड़ा उद्योग व वस्त्र उद्योग आदि। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा साथ ही बकरी पालन को अपेक्षित स्तर पर लाया जा सकेगा। श्रीमती सुलोचना देवगढ़ जिले के केंदुछपल गांव की एक युवा आदिवासी महिला उद्यमी हैं. वे स्थानीय नस्ल के दो बकरे और दो बकरियां पाल रही थीं. बकरी पालन में अपना अधिकतम समय देने के बावजूद भी वे बकरे-बकरियों से पर्याप्त आमदनी नहीं ले पा रही थीं. उत्पादन की अधिक लागत तथा बकरियों की उच्च मृत्यु दर उनकी मुख्य समस्याएं थी. केंदुछपल में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सुलोचना कृषि विज्ञान केन्द्र, देवगढ़ के सम्पर्क में आईं. उन्होंने केन्द्र के वैज्ञानिकों के साथ चर्चा करते हुए अपनी समस्या के बारे में बताया.बकरी पालन में उनकी रूचि को देखने को देखकर कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने उनके फार्म का दौरा किया. स्वास्थ्य प्रबंधन पर तकनीकी दिशा निर्देश देते हुए उन्हें उन्नत नस्ल की बकरियों को पालने की सलाह दी गई.

खबर संक्षेप

कांग्रेस ने एमजीएनरेगा के नाम बदलने का कड़ा विरोध किया

जम्मू, 05 फ़रवरी (हि.स.)। रियासी में एमजीएनरेगा बचाओ संग्रामफ्र के तहत कांग्रेस ने केंद्र सरकार के कथित फैसलों के खिलाफ जोरदार विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस जिला रियासी के प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन डीसी रियासी को सौंपा। ज्ञापन में एमजीएनरेगा का नाम बदले जाने, इसके वित्तीय और अधिकार आधारित ढांचे को कमजोर किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई गई।

जिला अध्यक्ष एडवोकेट अजय सलालिया ने कहा कि एमजीएनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए कानूनी रोजगार की गारंटी है, न कि कोई सामान्य योजना। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि फंड कटौती से मजदूरी में देरी, रोजगार के अवसरों में कमी और विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पार्टी ने महात्मा गांधी के नाम को हटाने को उनके विचारों और सामाजिक न्याय की भावना का अपमान बताते हुए राष्ट्रपति से हस्तक्षेप की मांग की।

वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने श्रृंगार सामग्री के दाम बढ़ाए

जम्मू, 05 फ़रवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड द्वारा मां वैष्णो देवी को चढ़ाए जाने वाले श्रृंगार सामग्री के दामों में भारी बढ़ोतरी कर दी गई है जिससे श्रद्धालुओं पर एक और आर्थिक बोझ डाल दिया गया है। बोर्ड के फैसले के अनुसार मोस्ट सुपीरियर चुनरी का दाम 500 से बढ़ाकर 700 रुपये कर दिया गया है जबकि सुपीरियर चुनरी 250 से 400 रुपये और मीडियम चुनरी 65 से 100 रुपये की कर दी गई है। ओर्डिनरी चुनरी 30 से 50 रुपये हो गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी मोस्ट प्रीमियम श्रृंगार चोले में की गई है जिसका दाम 200 से सीधे 2100 रुपये कर दिया गया है।

इसके अलावा ओर्डिनरी चोला 30 से 60 रुपये, लेडी दुपट्टा 40 से 50 और 60 से 100 रुपये, पूजा का कपड़ा 200 से 400 रुपये, परदा 125 से 300 रुपये, पेटीकोट 70 से 100 रुपये, पट्टी 50 से 100 रुपये, ब्लाउज पीस 10 से 20 रुपये और चूड़ी-चूड़ा 10 से बढ़ाकर 120 रुपये प्रति दर्जन कर दिया गया है। बढ़ी कीमतों को लेकर श्रद्धालुओं में नाराजगी देखी जा रही है।

गौ-तस्करी की कोशिश नाकाम, 15 मवेशी छुड़ाए, एक ट्रक जब्त

कठुआ, 05 फरवरी (हिं.स.)। कठुआ जिले में गौ-तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए कठुआ पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग राजबाग क्षेत्र में गौ-तस्करी की कोशिश को नाकाम बनाते हुए 15 मवेशियों को सुरक्षित छुड़ाया और एक ट्रक को जब्त किया है।

यह कार्रवाई एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के समग्र पर्यवेक्षण में की गई। जानकारी के अनुसार थाना राजबाग की पुलिस टीम ने नाका चेकिंग के दौरान पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहे एक संदिग्ध ट्रक को रोका। जांच के दौरान ट्रक में 15 मवेशी क्रूरता पूर्वक लदे हुए पाए गए। पुलिस ने मौके पर ही मवेशियों को मुक्त कर ट्रक को जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना राजबाग में एफआईआर नंबर 27/2026 धारा 223 बीएनएस व 11 पीसीए एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

खबर संक्षेप

जम्मू-कश्मीर में 58 लाख से अधिक युवा खेल गतिविधियों से जुड़े

जम्मू, 05 फ़रवरी (हि.स.)। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में बीते कुछ वर्षों के दौरान खेल गतिविधियों और प्रदर्शन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वर्ष 2021-22 से अब तक प्रदेश के 58 लाख से अधिक युवा विभिन्न खेल गतिविधियों से जुड़े हैं, जबकि खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर 2,556 पदक हासिल किए हैं। इन पदकों में 843 स्वर्ण, 737 रजत और 976 कांस्य शामिल हैं, वहीं 84 अंतरराष्ट्रीय पदक भी जीते गए हैं। शहरी, ग्रामीण, जनजातीय और सीमावर्ती क्षेत्रों के युवाओं ने माय यूथ माय प्राइड, हर दिन खेल और नशा मुक्त भारत अभियान जैसे कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी की।

आंकड़ों के मुताबिक जम्मू-कश्मीर देश में सबसे अधिक खेलो इंडिया केंद्र स्थापित करने वाला केंद्र शासित प्रदेश बन गया है, जहां प्रतिदिन 5,000 से अधिक बच्चों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके साथ ही खेल अवसंरचना के विस्तार, राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और खेल पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है।

जोजिला टनल का 59 फीसदी काम पूरा, 2027-28 तक पूर्ण होने की उम्मीद

जम्मू, 05 फ़रवरी (हि.स.)। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार जम्मू-कश्मीर में ऑल वेदर कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए चल रही प्रमुख सुरंग परियोजनाओं में लगातार प्रगति हो रही है। 13.15 किलोमीटर लंबी जोजिला टनल का लगभग 59 प्रतिशत भौतिक कार्य पूरा हो चुका है और इसके 2027-28 तक पूर्ण होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक यह परियोजनाएं प्रधानमंत्री विकास पैकेज (क्स्छ्क) और राष्ट्रीय राजमार्ग योजनाओं के तहत बनाई जा रही हैं। सर्वे में बताया गया कि गांदरबल जिले के गगनगीर के पास 6.5 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग (जेड-मोर) टनल जुलाई 2024 में 2,379 करोड़ रुपये की लागत से पूरी हो चुकी है, जिससे श्रीनगर-लेह मार्ग को सालभर जोड़े रखने में मदद मिलेगी। इसके अलावा पंथाल-मगरकोट, दिगडोल-खूनी नाला, जम्मू रिंग रोड, बिंबर गली और सुंगल टनल विभिन्न चरणों में निर्माणाधीन हैं, जबकि कुंडी और नौशेरा टनल पूरी हो चुकी हैं। सर्वे के अनुसार इन परियोजनाओं से जम्मू-कश्मीर की आर्थिक और रणनीतिक मजबूती को बल मिलेगा।

विजयपुर के रख बरोटिया में खेतों से युवक का शव बरामद

जम्मू, 05 फ़रवरी (हि.स.)। सांबा जिले के विजयपुर क्षेत्र में नशे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। विजयपुर के रख बरोटिया इलाके के पास खेतों से एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने शव को देखकर तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल भेजा, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई। मृतक की पहचान मोहित कुमार पुत्र स्वर्ण कुमार निवासी त्रिंडियां, रामगढ़ के रूप में हुई है।

पॉलीहाउस तकनीक से बेमौसमी सब्जियों की खेती

पॉलीहाउस तकनीक से खुले वातावरण की अपेक्षा उच्च गुणवत्तायुक्त एवं ज्यादा मात्रा में किसान विभिन्न प्रकार की सब्जियों का उत्पादन कर सकते है। बदलते मौसम के कारण सब्जियों की पैदावार व् गुणवत्ता पर प्रभाव पड रहा है जिसके कारण किसानों को खुले वातावरण में पैदा की गई सब्जियों से अधिक लाभ प्राप्त नहीं हो पता है। वर्षा ऋतू में एवं ग्रीष्म ऋतू में खुले में उगाई गई सब्जियों पर बीमारियों व कीटों में विशेषकर विष्णु रोग फैलाने वाले कीटों का प्रकोप अधिक होता है।

गुणवत्तायुक्त एवं बेमौसमी सब्जी उत्पादन के लिए पॉलीहाउस तकनीक एक वरदान

पॉलीहाउस एक घर नुमा ढांचा होता है जो यूवी. प्रतिरोधी पॉलीथिन की शीट से ढका होता है। इन पॉलीहाउस में कुछ चयनित ग्रीष्मकालीन बेमौसमी सब्जियों व उनकी चयनित केवल संकर किस्मों से अधिक अच्छी गुणवत्ता की पैदावार संभव है।

निचले एवं मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में पॉलीहाउस में उगाई जाने वाली केवल तीन ही बेमौसमी फसलें है - शिमला मिर्च, टमाटर और पार्थिनोकार्पिक खीरा है।

अधिकतर ग्रीष्मकालीन पॉलीहाउस में उगाई जाने वाली सब्जियों के लिए औसत तापमान 18-25 डिग्री सेल्सियस चाहिए जो की इन क्षेत्रों में खुले वातावरण में अधिक समय तक नहीं रहता है। अतः ऐसे क्षेत्रों में पॉलीहाउस में सब्जियां उगना व्यवहारिक एवं लाभप्रद है।

पॉलीहाउस में सब्जियों की सफल खेती हेतु निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

मध्य पर्वतीय क्षेत्रों के किसान पतझड़-सहित व बसंत ऋतु में बेमौसमी धनियां, हरी पत्तेदार सब्जियां तथा मटर इत्यादि को केवल पॉलीहाउस में पूर्ण रूप से लगभग सारा साल उगा सकते है, लेकिन इस बात का किसान ध्यान रखें की इन फसलों से उन्हें आमदनी केवल बेमौसम उत्पादन से ही संभव है।

पॉलीहाउस में केवल अनियमित बढ़वार वाली संकर किस्में व रोग प्रतिरोधी किस्मे ही लगाएं तथा शीर्चनोचन एवं काट-छांट पर विशेष ध्यान दे।

पॉलीहाउस के अंदर एवं बहार सफाई का विशेष ध्यान रखें तथा एवं दरवाजा हमेशा बंद रखें।

ड्रिप-सिंचाई विधि द्वारा तथा फर्टिगेशन (खाद+पानी) का विशेष ध्यान रखें तथा उपयुक्त समय पर सिंचाई व तरल खाद फल बनने के बाद देते रहें।

दोहरा दरवाजा, किनारे व ऊपर मलमल के जाले (40-50 मैश) का प्रयोग करे तथा पॉलीहाउस के ऊपर रोलिंग टाइप के हरे छायादार जले 50% का उपयोग अप्रेल से सितंबर तक आवश्यकतानुसार 11 बजे (सुबह) से 3 बजे (शाम) तक करें। ध्यान रखें पॉलीहाउस में दिन का तापमान 25 डिग्री सेंटीग्रेड से उपन न जायें।

परिवर्तित प्राकृतिक हवादार पॉलीहाउस प्रायः बेमौसमी सब्जियों जैसे मिर्च, टमाटर एवं खीरे की व्यापारिक खेती के लिए उपयुक्त है।

फसलों पर मौसम का अनुकूल और प्रतिकूल प्रभाव

भारतवर्ष की अधिकांश भूमि पर असिंचित खेती होती है जहां पर फसल का पैदा होना या ना होना केवल प्रकृति पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त उन स्थानों पर भी जहां सिंचाई के साधन है, यदि मौसम फसलों के अनुकूल है तो अच्छी उपज होती है इसके विपरीत मौसम के प्रतिकूल दशाएं होने पर उपज अच्छी नहीं होती है। हमारे देश में मुख्यतः 3 ऋतुएँ ग्रीष्म, वर्षा तथा शरद की होती हैं। इन ऋतुओं का मौसम भिन्न-भिन्न प्रकार का होता है। इसी आधार पर भारतवर्ष में मुख्यतः फसलों को भी जलवायु के आधार पर तीन भागों में विभाजित कर सकते हैं-

खरीफ की फसलें- इन फसलों के अंतर्गत मक्का, ज्वार, बाजरा, महुआ, उर्द, लोबिया, अरहर, ग्वार, तिल, मूंगफली, कपास, सनई तथा पटसन आदि की खेती होती है। इन फसलों की बुवाई के लिए वायुमंडल का ताप ऊंचा होना चाहिए तथा वृद्धि के लिए अच्छी नमी तथा अधिक समय तक धूप की आवश्यकता होती है।

अर्थात दिन बड़े होने चाहिए तथा फसलों की पकाई के समय कम समय तक धूप की आवश्यकता पड़ती है अर्थात दिन पहले से छोटे होने चाहिए। यही कारण है कि इस श्रेणी की फसलों का समय जून से अक्टूबर तक होता है।

रबी की फसलें- इन फसलों के अंतर्गत गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसों, रिजका, गोभी, गाजर, मूली, आदि की खेती की जाती है। इन फसलों की बुवाई के समय वायुमंडल में अच्छी नमी कम धूप तथा हल्की ठंड की आवश्यकता पड़ती है। पौधों की वृद्धि के लिए ठंडा वातावरण तथा कम समय के लिए प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है तथा फसलों की पकाई के लिए गर्म दिन तथा अधिक समय के लिए धूप की आवश्यकता पड़ती है। **सी एम शर्मा**

किसी स्थान का मौसम असल में उस स्थान के तापमान, बादलों की दशा, हवा में नमी आदि से सम्बंधित है। मौसम का सम्बन्ध हमारे वातावरण में रोजाना होने वाले बदलावों से है।

ये मौसम सब जगहों पर एक जैसा नहीं रहता। किसी एक जगह पर मौसम गर्म और तेज़ धूप वाला हो सकता है वहीं उसी समय किस दूसरी जगह ठंडी हवाओं और बर्फबारी वाला मौसम हो सकता है। वायुमंडल की दशाएं मौसम को निर्धारित करने में मुख्य भूमिका निभाती हैं।

फसलों पर प्रतिकूल मौसम का प्रभाव-

प्रतिकूल मौसम फसलों को अंकुरण से लेकर उन के भंडारण तक की क्रियाओं को प्रभावित करता है जिससे उत्पादकता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इस शीर्षक के अंतर्गत हम मौसम की उन दशाओं का वर्णन करेंगे, जो फसलों पर बुरा प्रभाव डालती हैं।

त्रुटियुक्त वर्षा - वर्षा की निम्नलिखित तीन अवस्थाएं फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती हैं-

अनावृष्टि - वर्षा का बहुत कम होना या बिल्कुल ना होना अनावृष्टि कहलाता है। ऐसी अवस्था में खरीफ की फसलें बिल्कुल बर्बाद हो जाती हैं। केवल ऐसे क्षेत्रों को छोड़कर जहां सिंचाई की सुविधाएं हैं, फसलें सूख जाती हैं और अकाल की स्थिति उत्पन्न हो जाती है तथा रबी की फसलों की बुवाई भी अधिकतर क्षेत्रों में नहीं हो पाती। अतिवृष्टि - वर्षा का आवश्यकता से अधिक होना अतिवृष्टि कहलाता है वर्षा की इस अवस्था से नदियों में बाढ़ आ जाती है जिससे फसलें बह जाती हैं या पानी में डूबकर सड़ जाती हैं। दूसरे, जो क्षेत्र गहरे होते हैं तथा जल निकासी की व्यवस्था नहीं होती है वहां पर अधिक दिनों तक पानी भरा रहता है जिसके कारण पौधों की जड़े गल जाती है। इससे खरीफ की फसलों में भारी हानि होती है तथा रबी की फसल पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है